महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 293 | उज्जैन, रविवार 05 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

काबिल दोस्तो का होना भी, शायद तकदीर होती है, बहुत कम लोगों के हाथों में ये लकीर होती है

अंतरिक्ष उपलब्धियां और सफलताएँ देश की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन महाकाल – द मास्टर ऑफ टाइम के दूसरे दिन वैज्ञानिकों ने भारत के अंतरिक्ष मिशनों की दी जानकारी

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन महाकाल = द मास्टर ऑफ टाइम के दूसरे दिन उज्जैन जिले की वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला, डोंगला में ''भारत में खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान का वर्तमान और भविष्य विषय पर आयोजित सत्र में सहभागिता की। सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. यादव, देश की अंतरिक्ष उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं की महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत जानकारियों को अत्यंत रोचक बताते हुए भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 जैसी सफलताओं पर देश के वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियाँ युवाओं को विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

सत्र में प्रो. अनिल भारद्वाज, निदेशक, फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी (क्क्रू), अंतरिक्ष विभाग, अहमदाबाद ने चंद्रयान-3 मिशन की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि विक्रम लैंडर की सफल सॉफ्ट लैंडिंग भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि रही। इसके साथ भारत चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में पहुँचने वाला विश्व का पहला देश बना। इस मिशन की सफलता में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने बताया कि प्रज्ञान रोवर ने चंद्रमा की सतह पर महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अध्ययन किए और इस लैंडिंग स्थल को शिव शक्ति पॉइंट नाम दिया गया। साथ ही उन्होंने चंद्रयान-4 (लूनर सैंपल रिटर्न मिशन), चंद्रयान-5 (LUPEX – भारत-जापान संयुक्त मिशन), वीनस ऑर्बिटर मिशन और मंगल लैंडर मिशन और वर्ष 2040 तक भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने की भारत की महत्वाकांक्षी योजनाओं की भी जानकारी दी।

सत्र में डॉ. तरुण पंत, निदेशक, स्पेस फिजिक्स लेबोरेटरी, विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर, तिरुवनंतपुरम ने आयनोस्फियर एवं ऊपरी वायुमंडल की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अंतरिक्ष की गतिविधियाँ पृथ्वी के वातावरण और जलवायु को प्रभावित करती हैं और इनका अध्ययन अंतरिक्ष विज्ञान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान पर हुआ मंथन- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन महाकाल = द मास्टर ऑफ टाइम के दूसरे दिन आयोजित ''खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी में प्रगति'' एवं ''विकसित भारत के लिए स्पेस इकोनॉमी = राष्ट्र की सेवा में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी'' सत्रों में खगोल विज्ञान, अंतरिक्ष अनुसंधान, राष्ट्रीय सुरक्षा, स्पेस इकोनॉमी और भारतीय ज्ञान परंपरा के वैज्ञानिक आयाम, विज्ञान-अध्यात्म के समन्वय पर विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए।

अंतरिक्ष तकनीक राष्ट्रीय सुरक्षा का मजबूत आधार- नीति आयोग के सदस्य (विज्ञान) डॉ. वी.के. सारस्वत ने भारत की रक्षा के लिए अंतरिक्ष आधारित रणनीतियाँ विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अंतरिक्ष तकनीक आज विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है। उन्होंने अपने जीवन के प्रारंभिक प्रेरणा स्रोत का उल्लेख करते हुए बताया कि बाल्यकाल में एक सैटेलाइट प्रक्षेपण की खबर ने उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने की प्रेरणा दी। वैज्ञानिक डॉ. सारस्वत ने कहा कि आधुनिक समय में रक्षा तकनीक तेजी से बदल रही है और पारंपरिक हथियारों से आगे बढ़कर ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रणालियाँ विकसित हो रही हैं। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र और स्टार्ट-अप्स की बढ़ती भूमिका को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

विकसित भारत के लिए स्पेस इकोनॉमी की बढ़ती भूमिका- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने स्पेस इकोनॉमी, निजी क्षेत्र की भागीदारी और युवाओं के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ते अवसरों पर चर्चा की। सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि अंतरिक्ष तकनीक न केवल वैज्ञानिक प्रगति बल्कि आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है।

न्यूज ब्रीफ

दुर्लभ खनिजों पर फोकस तेज: कंपनियों को आकर्षित करने के लिए नई नीति लाएगी सरकार

नई दिल्ली/ जीएनएस। दुर्लभ खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) की घरेलू खोज और नीलामी को और तेज गति देने के लिए सरकार मौजूदा नीति में जरूरी संशोधन करने जा रही है। हाल में जारी निविदाओं पर मिली प्रतिक्रिया से सरकार बहुत खुश नहीं है, लिहाजा मौजूदा प्रक्रिया का विस्तृत अध्ययन किया जाएगा ताकि कंपनियों की रुचि बढ़ाई जा सके व नीलामी प्रक्रिया को और आकर्षक बनाया जा सके। खान मंत्रालय की वेबसाइट और प्रेस सूचना कार्यालय (पीआईबी) की हालिया रिपोर्टों के मुताबिक, वर्ष 2023-24 में चार चरणों के तहत कुल 48 ब्लाकों की घोषणा की गई थी। इनमें लिथियम, निकल, कोबाल्ट और रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई) जैसे महत्वपूर्ण खनिज शामिल थे। लेकिन इनमें से केवल 24 ब्लॉकों में ही सफल नीलामी हो पाई यानी लगभग 50 फीसद में ही कंपनियों की रूचि आइ। बाकी ब्लॉकों में बोलीदाताओं की कमी रही। वर्ष 2026 में भी छठी ट्रांच के तहत घोषित 11 ब्लाकों की नीलामी रद करनी पड़ी क्योंकि पर्याप्त योग्य बोलीदाता नहीं मिले। पांच ब्लाकों में तो कोई बोली ही नहीं आई, जबकि पांच अन्य में तीन से कम तकनीकी रूप से योग्य बोलीदाता थे। पश्चिम बंगाल स्थिति एक ब्लाक भी निविदा नहीं होने से रद्द हो गया।अब तक छह चरणों में कुल 46 क्रिटिकल मिनरल ब्लाकों की सफलतापूर्वक नीलामी हुई है और यह उम्मीद जगाने वाला है। इस बारे में सरकार की तरफ आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी तो नहीं दी गई है लेकिन कुछ उद्योग चैंबरों के विशेषज्ञों का कहना है कि घरेलू नीलामियों में कंपनियों की कम रुचि के पीछे पर्यावरणीय मंजूरी, बुनियादी ढांचे की कमी, उच्च लागत और वैश्विक बाजार में सस्ते आयात का विकल्प उपलब्ध होना प्रमुख कारण हैं। खान मंत्रालय अब इन मुद्दों पर गहन समीक्षा कर नीति में संशोधन करने वाला है, ताकि नीलामी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और निवेशकों के अनुकूल बनाया जा सके। नीति संशोधन के बाद कंपनियों को टैक्स छूट, आसान मंजूरी और बेहतर इंसेंटिव दिए जाने की संभावना है।

ईरान युद्ध में दुनिया ने देखी भारत की ताकत... होर्मुज से निकले 8 भारतीय जहाज

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ईरान युद्ध के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से कम से कम आठ भारतीय जहाज सुरक्षित निकल चुके हैं। सात पहले निकल चुके थे और शनिवार को ग्रीन सान्वी नाम के एक और जहाज के होर्मुज जलडमरूमध्य से बाहर निकलने की सूचना है। विभिन्न एजेंसियों के मुताबिक, होर्मुज में अभी कई देशों के तीन सौ के करीब जहाज (ज्यादातर पेट्रोलियम ढुलाई वाले) फंसे हैं। सबसे ज्यादा जहाज चीन (तकरीबन 60-70) के हैं। लेकिन ईरान की मदद से सबसे ज्यादा भारतीय जहाज ही होर्मुज से बाहर निकल पाए हैं। पश्चिम एशिया विवाद शुरू होने के बाद से एलपीजी संकट के मुहाने पर खड़े भारत के लिए इन जहाजों का आना किसी वरदान से कम नहीं है। इनकी वजह से एलपीजी आपूर्ति को सुधारने में मदद मिली है, खास तौर पर वाणिज्यिक क्षेत्र को ज्यादा एलपीजी की आपूर्ति संभव हुई है। हालांकि एलपीजी आपूर्ति की स्थिति सामान्य से काफी दूर है। सरकार की तरफ से पिछले दस दिनों में शिवालिक, नंदा देवीस पाइन गैस, जग वसंत,बीडब्लू टायर, बीडब्लू एल्म, जग लाडकी और अब ग्रीन सान्वी के होर्मुज से निकलने की सूचना दी गई है। इसमें जग लाडकी के अलावा अन्य सात एलपीजी से भरे हुए थे। शिवालिक व नंदा देवी में कुल 92,712 टन एलपीजी था। पाइन गैस व जग वसंत में में 92,612 टन और टायर व एल्म से कुल 94,000 टन एलपीजी की आपूर्ति हुई।

अनिल अंबानी के सामने एपस्टीन ने खुद को बताया था व्हाइट हाउस का अंदरूनी व्यक्ति

नई दिल्ली/ जीएनएस। ट्रंप प्रशासन के शुरुआती दिनों में उद्योगपति अनिल अंबानी यह पता लगाने के लिए उत्सुक थे कि नए राष्ट्रपति की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में भारत की क्या भूमिका हो सकती है। इसी ने 2017 में उन्हें जेफरी एपस्टीन तक पहुंचाया।

एपस्टीन ने अनिल अंबानी के सामने खुद को व्हाइट हाउस का अंदरूनी व्यक्ति के रूप में पेश किया। दोनों के बीच हुए सैकड़ों संदेशों की समीक्षा के बाद यह बात सामने आई है।

अनिल अंबानी की एपस्टीन से बातचीत- अनिल अंबानी ने एपस्टीन से ऑनलाइन परिचय होने के बाद मैसेज किया, भारत के साथ संबंधों और रक्षा सहयोग के लिए व्हाइट हाउस से डील करने में आपके मार्गदर्शन की आवश्यकता होगी।

एपस्टीन ने अंबानी को कुछ अंदरूनी जानकारी दिलाने का वादा किया। यह एपस्टीन की वैश्विक पहुंच और दुनिया के सबसे धनी लोगों के बीच पावर ब्रोकर के रूप में भूमिका को दर्शाती हैं, जो बैक-चैनल कूटनीति की दुनिया में काम करने में सक्षम था।

पस्टीन ने अंबानी के साथ विदेश नीति और ट्रंप की नियुक्तियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उदाहरण के लिए, मार्च 2017 में, अंबानी ने एपस्टीन से पूछा कि क्या सीआइए के पूर्व निदेशक और भारत में अमेरिकी राजदूत के पद के लिए उनके पसंदीदा उम्मीदवार डेविड पेट्रायस को नियुक्त किया जाएगा।

कुछ समय बाद, एपस्टीन ने कहा कि उन्हें बताया गया था कि पेट्रायस को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। यह पद नवंबर में एक कारोबारी और पूर्व सरकारी अधिकारी केनेथ आई. जस्टर को दिया गया।

जुलाई 2017 में एपस्टीन ने अंबानी को बताया कि लंबे समय से रिपब्लिकन विचारधारा के कट्टर समर्थक जान बोल्टन, लेफ्टिनेंट जनरल एच.आर. मैकमास्टर की जगह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनेंगे।

एपस्टीन ने लिखा कि मैकमास्टर इस पद पर ज्यादा समय तक नहीं टिकेंगे और बोल्टन अगले होंगे। हालांकि, कट्टर रूढ़िवादी नेताओं ने जनरल को पद से हटाने की मांग की थी, जिसका ट्रंप ने बचाव किया। लेकिन एपस्टीन के संदेश के आठ महीने बाद, यह जानकारी सच साबित हुई। बोल्टन ने मैकमास्टर की जगह ली।

बेटे की चाह में पिता ने जुड़वा बेटियों को कुएं में डुबोया

नई दिल्ली/ जीएनएस। तेलंगाना के करीमनगर से एक बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां एक पिता पर अपनी ही चार साल की जुड़वा बेटियों की हत्या का आरोप है। पुलिस के अनुसार, बेटा न होने की वजह से वह लंबे समय से नाराज था, जिसके चलते घर में अक्सर विवाद होता रहता था। यह घटना शुक्रवार शाम की है, जिसने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया है। करीमनगर के जुबली नगर निवासी कच्चू श्रीसैलम की शादी छह साल पहले मौनिका से हुई थी। दंपति की चार साल की जुड़वा बेटियां थीं गीतांशी और गीतान्विका। पुलिस और परिवार के मुताबिक, श्रीसैलम बेटियों के जन्म से खुश नहीं था और वह बेटा चाहता था। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते थे। शुक्रवार को भी दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपी कथित तौर पर दोनों बच्चियों को गांव के बाहरी इलाके में खेतों की तरफ ले गया। परिवार को शक है कि श्रीसैलम ने दोनों बच्चियों को पास के एक कुएं में डुबो दिया। कुछ समय बाद जब मामला सामने आया, तो पुलिस को सूचना दी गई। कुएं से गीतांशी का शव बरामद हुआ, जबकि दूसरी बच्ची गीतान्विका शुरू में लापता थी।

वायुसेना की बढ़ेगी ताकत: भारत में बनेंगे 1000 किलो के गोला-बारूद; रूसी एयरक्राफ्ट में होंगे फिट

नई दिल्ली/ जीएनएस। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत ने एक और बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 1,000 किलोग्राम वजन वाले स्वदेशी हवाई बमों के डिजाइन और विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ये बम एमके-84 श्रेणी के बमों के समान होंगे, जो अपनी विनाशकारी क्षमता के लिए जाने जाते हैं।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य विदेशी निर्भरता को खत्म करना और देश में ही उच्च क्षमता वाले गोला-बारूद का निर्माण करना है। वर्तमान में, वायुसेना इस श्रेणी के बमों को विदेशी निर्माताओं से खरीदती है।

रूस और पश्चिमी देशों के विमानों पर होंगे फिट- इन बमों की सबसे बड़ी खासियत इनकी बहुमुखी क्षमता होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, ये 1,000 किलो के बम वायुसेना द्वारा संचालित रूसी और पश्चिमी दोनों मूल के लड़ाकू विमानों में फिट किए जा सकेंगे। यह तकनीक वायुसेना को युद्ध की स्थिति में जबरदस्त लचीलापन प्रदान करेगी। यह परियोजना मेक-टू (उद्योग-वित्त पोषित) श्रेणी के तहत संचालित की जाएगी, जिसके बाद बाय (इंडियन आइडीडीएम) श्रेणी के तहत इसकी खरीद होगी। आइडीडीएम का मतलब है स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित।

असम: ये 23 सीटें तय करेंगी कांग्रेस की सत्ता में वापसी का रास्ता, बीजेपी और एआइयूडीएफ से सीधी टक्कर

असम/ जीएनएस। असम में 10 साल बाद कांग्रेस की सत्ता में वापसी का रास्ता मुस्लिम बहुल 23 विधानसभा सीटों से तय होगी। 2021 में ऑल इंडिया यूनाईटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआइयूडीएफ) और कांग्रेस का गठबंधन सभी 31 मुस्लिम बहुल सीटें जीतने में सफल रहा था।

परिसीमन के बाद मुस्लिम बहुल सीटों की संख्या सिमटकर 23 रह गई हैं। वहीं इस बार इन सीटों पर एआइयूडीएफ और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है। इन सीटों पर यदि नुकसान हुआ तो कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ जाएंगी ।

भाजपा को राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ राज्य में सीधी चुनौती देने के कारण कांग्रेस मुस्लिम मतदाताओं की पहली पसंद बनी हुई है। बातचीत में मुस्लिम समुदाय के लोग इसे स्वीकार भी करते हैं । 2024 के लोकसभा चुनाव में इसका असर भी देखने को मिल चुका है।

ढुबरी लोकसभा सीट पर कांग्रेस के रकीबुल हुसैन को लगभग 15 लाख वोट मिले थे और दूसरे नंबर पर रहे एआइयूडीएफ के प्रमुख बदरूद्दीन अजमल पांच लाख वोटों का आंकड़ा भी नहीं छू सके थे।

लोकसभा चुनाव 2021 में कांग्रेस की हार- कांग्रेस असम की 14 लोकसभा सीटों में से केवल तीन जीत पाई थी, वहीं एआइयूडीएफ का खाता तक नहीं खुल पाया था। जबकि 2021 के पहले मुस्लिम बहुल सीटों पर एआइयूडीएफ की मजबूत दावेदारी होती थी।

एआइयूडीएफ 2016 में 13 और 2011 में 18 विधानसभा सीटें जीतने में सफल रही थी। लोकसभा चुनाव में औंधे मुंह गिरे बदरूद्दीन अजमल इस बार मुस्लिम वोटों को अपने पाले में लाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है।

भारत-अजरबैजान संबंधों की नई शुरुआत, बाकू में व्यापार-ऊर्जा और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत और अजरबैजान के बीच लंबे समय से ठंडे पड़े द्विपक्षीय संबंधों को पटरी पर लाने के सकारात्मक संकेत मिले हैं। शुक्रवार (3 अप्रैल, 2026) को बाकू में दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक में सहमति बनी कि आपसी संबंधों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देखा जाएगा। यह बैठक पिछले कई वर्षों में दोनों देशों के बीच सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक परामर्श मानी जा रही है।

अजरबैजान के बीच द्विपक्षीय बातचीत- विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज की अगुवाई में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अजरबैजान के विदेश मंत्री जेयहुन बायरामोव से मुलाकात भी की।

इसके साथ ही दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों के बीच छठे दौर के राजनीतिक परामर्श भी हुए, जिनकी सह-अध्यक्षता सिबी जॉर्ज और अजरबैजान के उप विदेश मंत्री एलनुर मामेदोव ने की। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच इस स्तर पर द्विपक्षीय विमर्श कभी नहीं हुआ है। बहरहाल, इन सभी बैठकों में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं का व्यापक जायजा लिया।

व्यापार, प्रौद्योगिकी, पर्यटन, फार्मास्यूटिकल्स, ऊर्जा, संस्कृति, लोगों के बीच आदान-प्रदान और सीमा पार आतंकवाद से मुकाबले जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। दोनों देशों ने आर्थिक-व्यापार संबंधों, ऊर्जा, पर्यटन और शिक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।

बैठक में दोनों पक्षों ने उन मुद्दों पर भी अपनी-अपनी स्थिति स्पष्ट की जहां उनके बीच मतभेद रहे हैं। दोनों ने इन मतभेदों को सुलझाने के लिए संवाद की निरंतरता पर जोर दिया।

दोनों देशों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया, जिसमें मध्य पूर्व की तनावपूर्ण स्थिति शामिल थी।

पाकिस्तान का समर्थक रहा है अजरबैजान- सनद रहे कि पिछले कुछ वर्षों में अजरबैजान पाकिस्तान की भाषा बोलता रहा है, खासकर कश्मीर मुद्दे पर अजरबैजान ने पाकिस्तान का समर्थन किया था।

चुनाव के बीच तमिलनाडु की सियासत में एनईपी और त्रिभाषा फार्मूले की हुई एंट्री, स्टालिन के आरोपों पर भड़के प्रधान

नई दिल्ली/ जीएनएस। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और उसके त्रिभाषा फार्मूले पर तमिलनाडु और केंद्र के बीच खींचतान वैसे तो कोई नई नहीं है लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बीच राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस मुद्दे को गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने का एक गुप्त तरीका बताकर सियासी रंग देने की कोशिश की है।

वहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उनके आरोपों पर तुरंत ही पलटवार किया है और कहा कि स्टालिन की थोपने वाली यह कहानी अपनी राजनीतिक नाकामियों को छिपाने की एक थकी हुई कोशिश है।

प्रधान ने इंटरनेट मीडिया पर स्टालिन के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि एक प्रोग्रेसिव सबको साथ लेकर चलने वाले सुधार को भाषा थोपना बताकर बेवजह डर व कन्फ्यूजन पैदा करने की कोशिश की गई है। एनईपी हिंदी थोपने के बारे में नहीं बल्कि भाषाई मुक्ति का एक विजन भी है। यह मातृभाषा को प्राथमिकता देती है ताकि तमिल भाषी बच्चे अपनी समृद्ध और गौरवशाली भाषा में शिक्षा प्राप्त कर वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।

इससे पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एनईपी और उसके त्रिभाषा फार्मूले पर विवाद उठाने की कोशिश तब की, जब सीबीएसई ने नए शैक्षणिक सत्र के लिए अपना पाठ्यक्रम जारी किया है। जिसमें छठवीं कक्षा से त्रिभाषा फार्मूले को लागू करने रोड़मैप भी पेश किया है।

प्रशिक्षण वर्ग में बोले अजय जामवालः भाजपा का लक्ष्य सत्ता नहीं, समाज का कल्याण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल ने सांवेर विधानसभा के निपानिया मंडल और राऊ विधानसभा के छत्रपति संभाजी मंडल में आयोजित मंडल प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, मंत्री तुलसीराम सिलावट, विधायक मधु वर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्री जामवाल ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग का कल्याण और उत्थान करना है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को गढ़ने की सतत प्रक्रिया है, जो संगठन को मजबूत बनाती है और कार्यकर्ताओं में सेवा, समर्पण और निष्ठा की भावना विकसित करती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को वर्ष 2047 तक परम वैभव तक पहुंचाने के लक्ष्य में सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ समाज सेवा के लिए समर्पित रहते हैं और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक जाकर लोगों से संपर्क करना चाहिए।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बूथ प्रबंधन पर जोर देते हुए कहा कि बूथ जीता, चुनाव जीता भाजपा का मूल मंत्र है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सभी वर्गों को साथ लेकर मजबूत बूथ समितियों के गठन का आह्वान किया।

प्रशिक्षण वर्ग को संतोष मेहता, आलोक दुबे, मनोज लदवे, अमरदीप मौर्य, सुधा सुख्यानी और अशोक अधिकारी सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। इसके साथ ही चंद्रगुप्त मौर्य मंडल, निर्भय सिंह मंडल और गुरु गोविंद सिंह मंडल में भी प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

क्रांति सूर्य टंट्या मामा भील का जन्मोत्सव इंदौर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्र और धर्म के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी, जनजाति सूर्य क्रांति जननायक टंट्या मामा भील का जन्मोत्सव इंदौर के भंवरकुआं स्थित टंट्या मामा भील चौराहे पर बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया।

प्रातःकाल से ही कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में लोगों का जुटान शुरू हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ टंट्या मामा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने उनके जीवन, संघर्ष, साहस और राष्ट्रभक्ति पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को उनके आदर्शों पर चलने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में जनजाति विकास मंच के कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही। पूरे स्थल को भगवा ध्वज और आकर्षक सजावट से सजाया गया, जिससे वातावरण देशभक्ति और श्रद्धा से ओतप्रोत नजर आया। विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए टंट्या मामा को नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महापौर पुष्यमित्र भार्गव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया गया। आयोजन जनजाति विकास मंच, भीमा नायक वनांचल सेवा संस्था एवं भील समाज सेवा समिति इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने विद्यार्थियों को प्रेरक संदेश देते हुए कहा छोटे-छोटे लक्ष्यों से बड़ी सफलता की ओर बढ़ें

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत इंदौर के सांदीपनि शासकीय श्रीदेवी अहिल्या आश्रम विद्यालय में आयोजित भविष्य से भेंट कार्यक्रम में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें जीवन में अनुशासन, निरंतर मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की अपनी अलग कहानी होती है,इसलिए किसी भी रोल मॉडल से अच्छी बातें सीखना चाहिए,लेकिन उसकी पूरी तरह नकल करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। हर किसी के जीवन में अलग-अलग चुनौतियां और अवसर होते हैं।

कलेक्टर श्री वर्मा ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने बड़े लक्ष्यों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर उन्हें क्रमशः प्राप्त करें। प्रतिदिन कुछ नया सीखने का प्रयास करें और पढ़ाई को रोचक बनाएं,ताकि निरंतर प्रेरणा बनी रहे।

उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे भी कभी इसी तरह विद्यालय में बैठकर ऐसे ही कार्यक्रमों में भाग लेते थे। उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और कड़ी मेहनत व अनुशासन के बल पर आज इस मुकाम तक पहुंचे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद,वाद-विवाद,संगीत और अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लें, क्योंकि स्कूल केवल किताबों का ज्ञान देने का स्थान नहीं, बल्कि संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र है।

इंदौर में यातायात पुलिस का सघन अभियान, नो-पार्किंग और नियम उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान 56 दुकान, राजवाड़ा, मालवामिल, भंवरकुआं, एयरपोर्ट रोड सहित कई व्यस्त क्षेत्रों में सघन पेट्रोलिंग कर नियम उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की गई।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में चारों यातायात जोन में टीमों द्वारा लगातार निगरानी रखी गई।

अभियान के दौरान 180 नो-पार्किंग, 21 रॉन्ग साइड और 22 मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही सैकड़ों वाहनों को नो-पार्किंग क्षेत्रों से हटवाया गया।

पेट्रोलिंग और व्हील लॉक टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों और यातायात दबाव वाले मार्गों पर लगातार भ्रमण किया गया, जिससे अवैध पार्किंग में कमी आई और यातायात का प्रवाह अधिक सुगम हुआ। टीमों की सक्रियता के कारण वाहन चालक नियमों के प्रति अधिक सजग नजर आए और कई स्थानों पर जाम की स्थिति में भी सुधार हुआ।

पुलिस ने बताया कि यह विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा, जिससे शहर में यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सके और आम नागरिकों को राहत मिलती रहे।

भरी टंकी का लालच देकर 30 सिलिंडर ले उड़ा एजेंसी का कर्मचारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युद्ध के कारण बनी गैस की किल्लत के बीच सिलिंडर की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। गैस एजेंसी के कर्मचारी ने ही 30 से ज्यादा ग्राहकों के खाली सिलिंडर गायब कर दिए हैं। बाणगंगा पुलिस ने उसके खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। उधर उपभोक्ता सिलिंडर के लिए परेशान हो रहे हैं।

पुलिस के अनुसार वल्लभ नगर निवासी संतोष शंकरदत्त मिश्रा की शिकायत पर मुकेश बामनराव सोनाने निवासी नेहरु नगर के खिलाफ केस दर्ज किया है। संतोष का कुमेड़ी कांकड़ में तुलसीयाना इंडस्ट्रीयल स्टेट में गैस पाइंट के नाम से गोदाम है। मुकेश करीब 15 साल से काम कर रहा था। ग्राहकों से झूठ बोलकर जुटाए सिलिंडर

उसने पुलिस को बताया कि मुकेश सोनाने ने ग्राहकों से कहा कि वह गैस भरी टंकी देकर जाएगा। वह ग्राहकों के घरों तक गया और उनसे झूठ बोलकर 30 खाली सिलिंडर ले लिए। सिलिंडर न मिलने पर ग्राहक गैस एजेंसी संचालक से मिले और सिलिंडर की शिकायत की।

इस बीच मुकेश गोदाम से गायब हो गया। ग्राहकों द्वारा हंगामा करने पर मामला थाने तक पहुँचा और मुकेश के खिलाफ केस दर्ज किया गया। टीआइ के अनुसार संभवतः मुकेश ने खाली सिलिंडर ब्लैक में सप्लाई कर दिए हैं।

ऑनलाइन फ्रॉड पर क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई, तीन माह में 1.87 करोड़ से अधिक राशि कराई वापस

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्राइम ब्रांच इंदौर ने वर्ष 2026 के पहले तीन महीनों में साइबर अपराध के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन फ्रॉड के शिकार लोगों को बड़ी राहत दी है। फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन टीमों ने कुल 1 करोड़ 87 लाख 47 हजार 605 रुपये से अधिक की राशि आवेदकों को वापस दिलाई है।

जनवरी में 36.46 लाख, फरवरी में 91.95 लाख और मार्च में 59.05 लाख रुपये की राशि पीड़ितों को लौटाई गई। मार्च माह में ही करीब 2600 साइबर फ्रॉड की शिकायतें दर्ज हुईं, जिन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कई मामलों का समाधान किया गया।

कार्रवाई के दौरान हजारों फर्जी बैंक खातों को फ्रीज किया गया, जबकि 180 से अधिक हैक किए गए सोशल मीडिया अकाउंट जैसे Facebook और Instagram को रिकवर कराया गया। इसके अलावा 200 से अधिक फर्जी अकाउंट, जो लोगों के नाम और फोटो का दुरुपयोग कर बनाए गए थे, उन्हें भी ब्लॉक किया गया। क्राइम ब्रांच के अनुसार सबसे अधिक शिकायतें इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, केवाईसी अपडेट के नाम पर ठगी, रिवॉर्ड प्वाइंट और क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने के झांसे, तथा परिचित बनकर भावनात्मक तरीके से ठगी करने से जुड़ी रही हैं। साथ ही पुलिस द्वारा साइबर जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को लगातार सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध लिंक या मैसेज पर क्लिक न करें और अपनी निजी जानकारी साझा करने से बचें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर नुकसान से बचा जा सके।

बारिश को देखते हुए बड़ा गणपति फ्लाई ओवर ब्रिज और चंदन नगर ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य में तेजी लायें

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने आईडीए कार्यालय में की समीक्षा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय की अध्यक्षता में आज आईडीए के मुख्य सभागृह में बैठक सम्पन्न हुई। यह बैठक बड़ा गणपति क्षेत्र में फ्लाई ओवर ब्रिज एवं चंदन नगर ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य के संबंध में आयोजित की गयी थी।

बैठक में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव,अपर कलेक्टर श्री नवजीवन पंवार, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, एम.आई.सी. मेंबर श्री राजेंद्र राठौर, मेट्रो परियोजना के जी.एम. श्री आर.एस. राजपूत,आईडीए के सीईओ डॉ.परीक्षित झाड़े,अपर आयुक्त नगर निगम श्री अभय एवं विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी शामिल हुए। बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने बड़ा गणपति क्षेत्र में फ्लाई ओवर ब्रिज की निर्माण प्रक्रिया एवं चंदन नगर के फ्लाई ओवर ब्रिज के निर्माण कार्यों के बारे में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की और उसकी विस्तृ समीक्षा की।

बैठक में मंत्री श्री विजयवर्गीय ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश को देखते हुये बड़ा गणपति फ्लाई ओवर ब्रिज के निर्माण के पहले सीवरेज आदि लाईनें डालने का कार्य पूरा किया जाये। आवश्यकता लगे तो टीमों की संख्या और संसाधन बढ़ाये जाये ताकि सिंहस्थ के पूर्व ब्रिज तैयार हो जाये। इसी तरह चंदन नगर क्षेत्र में बन रहे 780 मीटर लम्बा फ्लाई ओवर ब्रिज के निर्माण कार्यों में भी तेजी लायें। फ्लाई ओवर ब्रिज निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं को दूर किया जाये। बैठक में महापौर श्री भार्गव एवं निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने अपने सुझाव दिये।

वार्ड 82 में विकास कार्यों का औचक निरीक्षण, गुणवत्ता पर सख्त हुए महापौर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने अपने गृह क्षेत्र वार्ड क्रमांक 82 में चल रहे विकास कार्यों का औचक निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय पार्षद शानू शर्मा, जल कार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा (बबलू), नगर निगम के अपर आयुक्त आशीष पाठक सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर कार्यों की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाई गई, जिस पर महापौर ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित ठेकेदारों के कार्यों की जांच के निर्देश दिए। साथ ही अमृत-2 योजना के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए, ताकि कार्य समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जा सकें। स्थानीय नागरिकों ने भी निरीक्षण के दौरान टूटे हुए चैंबर और निम्न स्तर के निर्माण कार्यों की शिकायतें रखीं। महापौर ने इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए दोषी पाए जाने पर संबंधित ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की चेतावनी दी।

'स्कूल चले अभियान' के तहत बाल विनय मंदिर में आयुक्त का संवाद, विद्यार्थियों को दिया प्रेरणादायक संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 'स्कूल चले अभियान' के अंतर्गत आयोजित भविष्य से भेंट कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बाल विनय मंदिर, पार्क रोड में छात्र-छात्राओं से संवाद कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती पूजा सक्सेना सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान आयुक्त ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न प्रोजेक्ट्स और लैब का अवलोकन किया तथा उनके नवाचार और रचनात्मकता की सराहना की। विशेष रूप से एस्ट्रो फिजिक्स जैसे उन्नत विषयों पर विद्यार्थियों की रुचि को उन्होंने देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया।

संवाद के दौरान आयुक्त ने विद्यार्थियों से उनके लक्ष्य, पढ़ाई और रुचियों पर चर्चा करते हुए अपने अनुभव साझा किए और सफलता के लिए निरंतर प्रयास और समर्पण को आवश्यक बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखें, ताकि वे तनावमुक्त रहकर बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थी अपनी पढ़ाई के साथ-साथ अपनी रुचियों और शौकों को भी समय दें, जिससे जीवन में संतुलन बना रहे और सफलता की राह आसान हो। कार्यक्रम के अंत में आयुक्त ने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इंदौर में राजस्व गड़बड़ी मामले में कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा सख्त कार्रवाईः दो कर्मचारी निलंबित

नायब तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा राजस्व अभिलेखों में गड़बड़ी एवं लापरवाही के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए दो कर्मचारियों को निलंबित किया गया है, वहीं एक नायब तहसीलदार को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया है। अपर कलेक्टर श्री रोशन राय को उक्त मामले में विस्तृत जांच के निर्देश दिए गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील खुड़ैल क्षेत्र के ग्राम भिंगारिया से संबंधित राजस्व प्रकरण क्रमांक 290/अ-6/2025-26 में अनियमितताओं की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायतकर्ता द्वारा आरोप लगाया गया कि राजस्व रिकॉर्ड में अवैधानिक रूप से नामांतरण कर अन्य व्यक्तियों के नाम दर्ज कर दिए गए।

जांच उपरांत प्रथम कार्रवाई में हल्का पटवारी रोहित तिवारी को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय देपालपुर निर्धारित किया गया है।

इसी प्रकरण में लापरवाही पाए जाने पर तहसील खुड़ैल में पदस्थ प्रवाचक सहायक ग्रेड-3 मीना यादव को भी निलंबित किया गया है। जांच में पाया गया कि न्यायालयीन प्रकरण के अभिलेखों के संधारण में अपेक्षित गंभीरता नहीं बरती गई। इसके अतिरिक्त उस अवधि में प्रभारी नायब तहसीलदार के रूप में कार्यरत दयाराम निगम को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया है। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि वे तीन दिवस के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें,अन्यथा उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा स्पष्ट किया गया है कि राजस्व कार्यों में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

फायर विभाग की मॉक ड्रिल से बढ़ी जागरूकता, आग से बचाव और सुरक्षित निकासी का दिया प्रशिक्षण

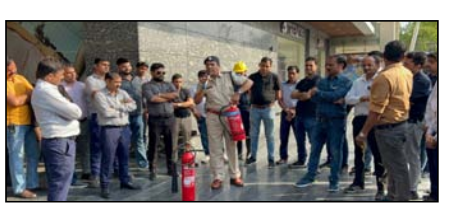

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी के मौसम में संभावित अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम और प्रभावी नियंत्रण के लिए नगर निगम इंदौर के फायर विभाग द्वारा शहर के विभिन्न संस्थानों में मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान कलेक्टर शिवम वर्मा और आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार संचालित किया जा रहा है।

अपर आयुक्त आशीष कुमार पाठक ने बताया कि स्कॉलर एकेडमी भंवरकुआ, अवंतिका गैस एजेंसी, दवा बाजार, मल्हार मॉल, सी-21 मॉल और डी-मार्ट जैसे प्रमुख स्थानों पर मॉक ड्रिल आयोजित कर कर्मचारियों एवं आमजन को आग से बचाव, सुरक्षित निकासी और अग्निशामक उपकरणों के उपयोग की जानकारी दी गई।

मॉक ड्रिल के दौरान फायर टीम ने समझाया कि आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय संयम बनाए रखना और सही दिशा में त्वरित कदम उठाना बेहद जरूरी है। आग ही न लगे के उद्देश्य के साथ लोगों को सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया गया, ताकि जोखिम को न्यूनतम किया जा सके।

फायर विभाग द्वारा यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा सके। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे आग लगने की स्थिति में तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दें, अफवाहों से बचें और सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए स्वयं एवं अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

इंदौर वासियों से पीएनजी अपनाने की अपील, घरेलू गैस उपलब्धता सुनिश्चित करने की पहल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए घरेलू गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु इंदौर के नागरिकों से पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) अपनाने का आग्रह किया गया है। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल.मारू ने बताया कि शहर के अधिकांश क्षेत्रों में पीएनजी गैस पाइप लाईन का विस्तार किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि जिन सोसायटियों एवं कॉलोनियों में पीएनजी सुविधा उपलब्ध है (गैसीफाइड एरिया), वहां के सभी रहवासियों से अपील की गई है कि वे शीघ्र ही एलपीजी गैस से पीएनजी में स्थानांतरित हो जाएं, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

श्री मारू ने यह भी जानकारी दी कि शासन के निर्देशानुसार ऐसे क्षेत्रों में रहने वाले उपभोक्ताओं को 90 दिनों के भीतर अपने घरेलू एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करना होगा। इस अवधि में अवंतिका गैस लिमिटेड की वेबसाइट पर ऑनलाईन आवेदन कर पीएनजी कनेक्शन प्राप्त किया जा सकता है।

पीएनजी कनेक्शन में भी रहेगा इंदौर नंबर वन

उन्होंने कहा कि इंदौर स्वच्छता में देश में लगातार अग्रणी रहा है और अब मध्यप्रदेश में पीएनजी उपयोग के क्षेत्र में भी अग्रणी बनता जा रहा है। वर्तमान में शहर में लगभग एक लाख पीएनजी कनेक्शन हैं तथा करीब 70 प्रतिशत क्षेत्र पीएनजी पाईप लाईन से आच्छादित (गैसीफाइड) हो चुका है।

पर्यावरण के अनुकूल एवं प्राकृतिक गैस

सुविधाजनक - न बुकिंग की आवश्यकता, न सिलेंडर उठाने-रखने की परेशानी

किफायती - एलपीजी की तुलना में सस्ती, उपयोग के अनुसार बिल

24×7 निरंतर आपूर्ति

सुरक्षित - पाइपलाइन से सप्लाई, स्टोरेज की आवश्यकता नहीं, हवा से हल्की होने के कारण लीक होने पर जमाव नहीं, साथ ही कंपनी द्वारा 3 सुरक्षा वाल्व उपलब्ध

कैसे प्राप्त करें कनेक्शन- पीएनजी कनेक्शन प्राप्त करने के लिए इच्छुक नागरिक अवंतिका गैस लिमिटेड की वेबसाइट, क्यूआर कोड या मोबाइल नंबर 7509275091, 9575008679 तथा 9201329781 पर संपर्क कर सकते हैं।

मंदसौर मंडी प्रशासन की तानाशाही और रिश्वतखोरी से किसान बेहाल, क्षेत्र में बढा आक्रोश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर जिले की कृषि उपज मंडियों में इन दिनों अव्यवस्थाओं, तानाशाही रवैये और कथित रिश्वतखोरी के कारण किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रों के किसानों ने मंदसौर मंडी प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी उपज बेचने में जानबूझकर बाधाएं खड़ी की जा रही हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि मंदसौर मंडी में प्रवेश की प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी नहीं है। जिन किसानों द्वारा कथित रूप से रिश्वत दी जाती है, उन्हें बिना किसी देरी के मंडी में प्रवेश दे दिया जाता है, जबकि अन्य किसानों को घंटों इंतजार करना पड़ता है या कई बार उन्हें बाहर ही रोक दिया जाता है। इस भेदभावपूर्ण व्यवस्था से छोटे और सीमांत किसान सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

तुलाई व्यवस्था में अव्यवस्था, किसानों पर अतिरिक्त बोझ- मंडी परिसर में गेहूं की तुलाई के दौरान भी किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने बताया कि तुलाई से लेकर ढुलाई तक का अधिकांश कार्य उन्हें स्वयं करना पड़ता है, जबकि इसके लिए मंडी में कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। मजदूरों की कमी और प्रबंधन की लापरवाही के कारण किसानों को अपनी उपज को संभालने में अतिरिक्त समय और लागत खर्च करनी पड़ रही है। इसके साथ ही मंडी प्रशासन द्वारा एक बार में केवल पांच क्विंटल तक का ढेर ही स्वीकार किया जा रहा है। यदि कोई किसान अधिक उपज लेकर आता है, तो उसे अलग-अलग ढेर बनाने के लिए मजबूर किया जाता है। इससे न केवल समय की बर्बादी होती है, बल्कि कई बार अधिक मात्रा में लाई गई उपज की एक साथ नीलामी भी नहीं हो पाती, जिससे किसानों को उचित मूल्य मिलने में बाधा आती है।

शिकायतों के बावजूद नहीं हो रही सुनवाई- किसान कन्हैयालाल पाटीदार, साबिर और असलम खान सहित कई किसानों ने आरोप लगाया कि मंडी में शोषण चरम पर पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कई बार अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। किसानों का कहना है कि मंडी इंस्पेक्टर लक्ष्मण मेघवाल पर भी रिश्वत लेकर काम करने के आरोप हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है।

खरीदी तिथियों में बार-बार बदलाव से बढ़ी अनिश्चितता- किसानों की परेशानी का एक बड़ा कारण गेहूं खरीदी की तिथियों में लगातार हो रहा बदलाव भी है। पहले खरीदी 23 मार्च से प्रारंभ होने वाली थी, जिसे बाद में 1 अप्रैल तक स्थगित कर दिया गया और अब इसे 10 अप्रैल तक आगे बढ़ा दिया गया है। बार-बार की इस देरी से किसानों को अपनी उपज लंबे समय तक सुरक्षित रखने में कठिनाई हो रही है, वहीं बाजार में कीमतें गिरने के कारण उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है।

समर्थन मूल्य से कम दाम पर बेचने को मजबूर किसान- वर्तमान में मंडियों में गेहूं का भाव लगभग 2000 से 2200 रुपये प्रति क्विंटल के बीच चल रहा है, जो कि निर्धारित समर्थन मूल्य से कम है। किसानों का कहना है कि मजबूरी में उन्हें अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचनी पड़ रही है, जबकि पड़ोसी राज्यों में 16 मार्च से ही समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू हो चुकी है।

ऋण जमा करने की समय सीमा से बढ़ी परेशानी- सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों के ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 28 मार्च निर्धारित की गई थी, लेकिन प्रशासनिक कुप्रबंधन और खरीदी में देरी के चलते लगभग 50 प्रतिशत किसान समय पर ऋण नहीं चुका पाए, जिससे वे डिफॉल्टर की स्थिति में पहुंच गए हैं। इससे भविष्य में उन्हें मिलने वाली सुविधाओं पर भी संकट खड़ा हो गया है।

कालाबाजारी के आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग- किसानों ने आरोप लगाया है कि मंडी में कालाबाजारी के चलते जानबूझकर अव्यवस्थाएं पैदा की जा रही हैं, ताकि कुछ लोगों को लाभ पहुंचाया जा सके। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

एसपी विनोद मीना पहुंचे गुर्जर बर्डिया, दुर्घटना पाइन्ट देखा, दिए निर्देश

एमपीआरडीसी एवं टोल कंपनी कर्मचारियों को ताकिद दी, दो हादसे में दो युवकों की हुई थी मृत्यु

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अफजलपुर थाने के ग्राम गुर्जर बर्डिया हाईवे पर शुक्रवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में पाटीदार समाज के दो युवकों की असामयिक मृत्यु हो गई थी। दोनों दुर्घटनाएं कुछ घंटे के अंतराल में हुई। ऐसे में शनिवार को पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना खुद गुर्जर बर्डिया गांव पहुंचे तथा दुर्घटना पाइन्ट देखा व निरीक्षण किया। एसपी श्री मीना ने एमपीआरडीसी एवं टोल कंपनी के कर्मचारियों को भी ताकिद दी एवं निर्देश दिए कि इस स्थान को सही करें और यहां सीसीटीवी केमरे भी लगाए जाएं एसपी मीना ने कहा कि जो दुर्घटना स्पॉट क्षेत्र में पुराने स्पीड ब्रेकर्स हैं, उन्हें ठीक कराया जाए। इसके अलावा प्लाट की साईडों पर कलर नहीं कराए गए हैं, वहां कलर कराया जाए ताकि रात्रि के समय रोड क्लीयर दिखाई दिया जाए। सड़क की साईडें जो खुली हुई है, उसे भरा जाए। साईडें भरे जाने पर कोई भी गाड़ी उतारने व चढ़ाने में आसानी रहेगी। इससे हादसा टाला जा सकेगा। एसपी श्री मीना गुर्जर बर्डिया में करीब आधे से पौन घंटे तक रहे तथा मार्ग पर दुर्घटनाओं के सभी कारणों का अवलोकन किया। यहां अफजलपुर थाना प्रभारी शैलेन्द्रसिंह कनेश व अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। अवलोकन के दौरान एसपी श्री मीना ने एमपीआरडीसी व टोल कंपनी के कर्मचारियों को निर्देश तो किया ही है साथ ही ग्रामीणों से भी आग्रह किया है कि सुधार कार्य कंपनी का काम है, पुलिस प्रशासन भी इसमें सहयोग करवाएगा। लेकिन आप लोग भी यातायात नियमों का पालन करें एवं ज्यादा से ज्यादा हेलमेट पहने और हेलमेट पहन कर ही गाड़ी चलाएं, ताकि कोई हादसा ना हो। एसपी मीना ने ग्रामीणों से यह भी कहा कि हेलमेट पहनना जरूरी है, जो दुर्घटना हुई है, इसमें हेलमेट पहना जाता तो मृत्यु से बचा जा सकता था। हेलमेट पहने से यदि हादसा होने की आशंका भी रहती है तो कम से कम चोट लगेगी। इस संबंध में अफजलपुर थाना प्रभारी शैलेन्द्रसिंह कनेश ने आगे बताया कि एसपी सर ने ग्रामीणों से चर्चा कर एमपीआरडीसी एवं टोल कंपनी के कर्मचारियों को निर्देशित किया है। शुक्रवार को दोनों दुर्घटना कैसे हुई है, इस संदर्भ में छानबीन की जा रही है।

शासन की गहन चिकित्सा इकाई में ब्रेन स्ट्रोक का मरीज शासकीय अस्पताल में उपचार के बाद स्वस्थ

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जन कल्याणकारी सरकार द्वारा आमजन के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए शासकीय अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं एवं चिकित्सा उपकरणों की सुविधाएं निरंतर प्रदान की जा रही है। जिससे की गरीब और जरूरतमंद व्यक्तियों का समय पर उपचार कर उन की जान बचाई जा सके। सिविल सर्जन डॉ एम एस सागर ने बताया कि जिला चिकित्सालय में शासन की गहन चिकित्सा इकाई में ब्रेन स्ट्रोक के मरीज का समय पर उपचार कर उसकी जान बचाई जा सकी। मरीज ताज मोहम्मद निवासी अशोक नगर रतलाम को 26 मार्च को जिला चिकित्सालय रतलाम की ओपीडी से गम्भीर स्थिति में गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती किया गया था। मरीज की जांच करने पर पता लगा की मरीज को लकवा है । गम्भीर स्थिति को देखते हुए आई सी यू में मौजूद डॉ अंकित जैन ने मरीज का गंभीर हालत में एम आर आई करवाया। एम आर आई में पाया गया कि मरीज को सी वी ए ब्रेन स्ट्रोक, हैं गंभीर स्थिति में होने के कारण उसके जीवित रहने की संभावना बहुत कम थी। मरीज के बेटे ने बताया कि वह गहन चिकित्सा इकाई की सभी सेवाओं से बहुत संतुष्ट है। मरीज से सम्बंधित सभी दवाई, गोली, इंजेक्शन अस्पताल से उपलब्ध करवाए गए। शासन की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सरकार का बहुत बहुत धन्यवाद।

शामगढ़ पुलिस ने कार से 2 पेटी बियर व दो पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की, एक गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शामगढ़ थाना पुलिस द्वारा अवैध शराब की धरपकड़ कर कार्रवाई की गई है। सूचना पर शनिवार को छायन - टकरावद के बीच ढाबे के पास से एक कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें दो पेटी बियर तथा दो पेटी अंग्रेजी शराब की बरामद की गई। इस तरह कुल 41.28 लीटर शराब की मात्रा आंकी गई है। मामले में कार में सवार एक आरोपी बबलू को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार मुखबीर सूचना प्राप्त हुई कि छायन व टकरावद रोड पर एक व्यक्ति अपनी सफेद रंग की कार जिसके पीछे तरफ लाल रेडियम से रिलेक्स पाइन्ट होटल लिखा हुआ है। इसमें अवैध शराब की पेटियां लेकर जाने वाला है। इस सूचना पर शामगढ़ थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय ने पुलिस टीम गठित कर छायन से टकरावद जाने वाले रास्ते घेराबंदी हेतु भेजा। इस दौरान सफेद रंग की कार आती दिखी, जिसे रोका गया। कार चालक ने अपना नाम बबलूसिंह पिता रणजीतसिंह सौंधिया 29 वर्ष निवासी ग्राम छायन थाना शामगढ़ का होना बताया। तलाशी लेने पर कार में दो पेटी किंगफिशर बियर तथा दो पेटी रॉयल स्टेज अंग्रेजी शराब की होना पाई गई। इसकी कुल मात्रा 41.28 लीटर नापी गई। अवैश शराब की कीमत 23 हजार 760 रूपए बताई गई है। आरोपी बबलूसिंह पिता रणजीत सिंह सौंधिया को गिरफ्तार किया जाकर आबकारी अधिनियम में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। इस कार्रवाई शामगढ़ थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय, उपनिरीक्षक रविन्द्र प्रताप डांगी, प्रआ प्रदीप पानेरी, आरक्षक प्रेम रावत व पुलिस टीम का सहयोग रहा है।

मंदसौर में 13 अप्रैल को जुटेगा संतों का समागम, विश्व हिन्दू परिषद आयोजित करेगा 'मंदिर अर्चक पुरोहित सम्मेलन'

केंद्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार का मिलेगा मार्गदर्शन, विहिप ने गणेशजी एवं बालाजी महाराज को दिया निमंत्रण पत्र

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व हिन्दू परिषद मंदसौर विभाग द्वारा आगामी 13 अप्रैल, सोमवार को एक भव्य 'मंदिर अर्चक पुरोहित सम्मेलन' का आयोजन किया जा रहा है। विश्व कल्याण की भावना और भारत माता को परम वैभव के शिखर पर स्थापित करने के संकल्प के साथ आयोजित होने वाला यह गरिमामय कार्यक्रम शहर के महू-नीमच रोड स्थित पीजी कॉलेज प्रांगण के कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में प्रातः 11 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम की सफलता और निर्विघ्न संपन्नता हेतु आयोजन समिति द्वारा 4 अप्रैल को प्रथम पूज्य भगवान श्री द्विमुखी श्री चिन्ताहरण गणेश जी एवं श्री इच्छापूर्ण बालाजी महाराज के चरणों में निमंत्रण पत्र अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिन्दू समाज को अधिक सबल, समरस और जागरूक बनाना है। निमंत्रण पत्र के अनुसार, वर्तमान समय में सनातन धर्म के मान बिंदुओं की सुरक्षा और विधर्मियों द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न षड्यंत्रों के विरुद्ध चिंतन करने की महती आवश्यकता है, जिस पर इस सम्मेलन में विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता माननीय श्री आलोक कुमार का पाथेय व मार्गदर्शन समस्त उपस्थित जनों को प्राप्त होगा। सम्मेलन के पश्चात सभी के लिए सहभोज का भी आयोजन रखा गया है।

विश्व हिन्दू परिषद के जिला अध्यक्ष डॉ. प्रवीण सिंह मंडलोई, जिला मंत्री श्री हेमन्त बुलचन्दानी, नगर अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल सोनगरा, मंदिर अर्चक पुरोहित संयोजक श्री प्रियांश राजपुरोहित एवं नगर मंत्री श्री गौरव शर्मा ने संयुक्त रूप से जिले के समस्त मंदिर अर्चकों, पुजारियों और पुरोहितों से इस सम्मेलन में सहभागी बनने का आह्वान किया है। पदाधिकारियों का कहना है कि जिस प्रकार भारत माता के गले में पुष्पों की माला अनिवार्य है, उसी प्रकार इस वैचारिक मंथन में जिले के समस्त पूज्य संतों और पुरोहितों की उपस्थिति अनिवार्य एवं महत्वपूर्ण है। आयोजन समिति इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले के धार्मिक नेतृत्व को एकजुट कर धर्म रक्षा के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करने के प्रति प्रयासरत है।

पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया के पुनः प्रदेश प्रवक्ता बनने पर हर्ष, अल्पसंख्यक मोर्चा व मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने साफ़ा बांधकर किया भव्य अभिनंदन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई परिभाषा लिखने वाले और विकास पुरुष के रूप में विख्यात पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया को भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश का प्रदेश प्रवक्ता (मीडिया विभाग) मनोनीत किए जाने पर हर्ष का माहौल है। इस उपलक्ष्य में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच जिला मंदसौर द्वारा एक भव्य स्वागत समारोह आयोजित कर उनका अभिनंदन किया गया। लगातार तीन बार विधानसभा चुनाव जीतकर ऐतिहासिक हैट्रिक बनाने वाले और सदन में जनहित के सर्वाधिक प्रश्न पूछने वाले सर्वश्रेष्ठ विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया को कचनारा फ्लेग सरपंच हारुन कुरैशी के नेतृत्व में पुष्पमाला पहनाई गई और साफा बांधकर सम्मान किया गया। इस गरिमामय अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने यशपाल सिंह सिसौदिया के मिलनसार स्वभाव और कार्यकर्ताओं के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री अज़ीज़ुल्लाह ख़ान ख़ालिद एडवोकेट, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के जिला संयोजक शकील ख़ान नूरानी, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष नईम रहमानी, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा दक्षिण नगर मंडल अध्यक्ष सादिक़ हुसैन गामा और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा दलोदा मंडल अध्यक्ष सिद्दीक शाह ने भी पूर्व विधायक पर पुष्प वर्षा कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। सभी उपस्थित जनों ने प्रदेश नेतृत्व के इस निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि सिसौदिया के अनुभव और प्रखर नेतृत्व का लाभ पूरे प्रदेश को मिलेगा। अंत में अज़ीज़ुल्लाह ख़ान ख़ालिद ने सभी का आभार व्यक्त किया।

चांगली के समीप कार और बाइक में टक्कर हुई, एक बालक और एक महिला की मृत्यु

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नई आबादी थाने के अंतर्गत ग्राम चांगली के समीप रोड पर शनिवार दोपहर में एक कार और एक बाइक में टक्कर हुई, जिसमें एक बालक और एक महिला की मृत्यु हो गई है। कार में 15 वर्षीय बालक सवार था, जिसके ईलाज हेतु परिजन उसे कार से मंदसौर रहे थे, वहीं बाईक पर दंपति सवार थे। दंपति में पत्नी की मृत्यु हो गई है, जबकि पति घायल हो गया है।

थाना पुलिस के अनुसार बंजारी बालाजी होटल के निकट यह दुर्घटना शनिवार दोपहर में हुई है। ग्राम सूरी निवासी 15 वर्षीय युवक युवराज पिता महेश पाटीदार को उसके अंकल और अन्य परिजन ईलाज हेतु कार से मंदसौर ला रहे थे। इस दौरान मंजूबाई पति बालूराम गंधर्व 45 वर्ष एवं उसका पति बालूराम गंधर्व निवासी ग्राम कुंताखेड़ी थाना नाहरगढ़ बाईक से जा रहे थे। मंदसौर आने के दौरान कार व बाइक में टक्कर हुई। कार रोड से नीचे उतरकर पलटी भी खाई।

इससे कार में सवार बालक युवराज पाटीदार ने ईलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं बाईक पर सवार महिला मंजूबाई की भी सिर में गंभीर चोट लगने पर उपचार के दौरान मृत्यु हो गई, जबकि उसका पति बालूराम घायल है, जिसका जिला अस्पताल में ईलाज किया जा रहा है। कार में अन्य व्यक्तियों को भी चोट लगी है, लेकिन सभी की हालत ठीक है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू की है।

स्कूल चले हम अभियान 2026 अंतर्गत 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम आयोजित अधिकारियों ने किया विद्यार्थियों से संवाद

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में स्कूल चले हम अभियान 2026 के अंतर्गत आज 4 अप्रैल को विभिन्न शासकीय विद्यालयों में भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के मार्गदर्शन में अधिकारियों द्वारा विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद कर उनके भविष्य निर्माण पर मार्गदर्शन दिया। जिले के नौगवाजागीर, कन्या शाला आलोट, भड़ानकला (बाजना), जीएमएस धराड़, बालक माध्यमिक विद्यालय सरवन, सांदीपनी स्कूल आलोट, इटावाखुर्द एवं बिरमावल सहित जिले के 109 विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों ने विद्यार्थियों को कैरियर चयन, प्रतियोगी परीक्षाओं यूपीएससी ,एसएससी और सेना की तैयारी तथा नैतिक मूल्यों पर विशेष मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को अभी से ही लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने, आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के लिए जनसामान्य से सहयोग की अपील

मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना ~ 1 से 30 मई तक की जाएगी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य मध्य प्रदेश राज्य में 16 से 30 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना तथा 1 से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के रूप में संपन्न किया जाएगा।

जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी अतिरिक्त जिलाजनगणना अधिकारी डिप्टी कलेक्टर श्री पराग जैन ने बताया कि जनगणना के सफल संचालन के लिए जन-सामान्य की जागरूकता और पूर्ण सहयोग अत्यंत आवश्यक है। इस उद्देश्य से जनगणना निदेशालय, मध्य प्रदेश द्वारा पूरे राज्य में व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा है।

इसमें निःशुल्क प्रचार माध्यमों का अधिकतम उपयोग किया जाएगा जैसे नगर निकायों की कचरा संग्रहण गाड़ियों पर ऑडियो सिस्टम के माध्यम से जनगणना संबंधी संदेशों का प्रसारण, शासकीय कार्यालयों/संस्थानों के एलईडी डिस्प्ले एवं नोटिस बोर्ड पर वीडियो, स्लोगन एवं जिंगल का प्रदर्शन ,प्रमुख ट्रैफिक सिग्नलों एवं चौराहों पर उपलब्ध सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से संदेश प्रसारित किए जाएंगे ,स्थानीय केबल नेटवर्क, जिला स्तरीय आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आदि का उपयोग किया जाएगा।

जनसामान्य से विशेष अनुरोध- आम जन से निवेदन है कि स्व-गणना (16-30 अप्रैल) तथा मकान सूचीकरण (1-30 मई) के दौरान जनगणना कर्मचारियों को पूर्ण सहयोग प्रदान करें। सही और पूर्ण जानकारी देना हर नागरिक का दायित्व है।

जनगणना संबंधी आधिकारिक स्लोगन, वीडियो एवं जिंगल निदेशालय द्वारा जारी कर दिए गए हैं, जिनका उपयोग पूरे राज्य में प्रचार-प्रसार के लिए किया जा रहा है।

दलौदा पुलिस ने आईपीएल का सट्टा पकड़ा, दो युवक गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दलौदा थाना पुलिस ने शनिवार को आईपीएल मैच पर सट्टा लगाने वाले दो युवकों को पकड़ा है। आरोपी दिल्ली-मुम्बई मैच पर जीत-हार का दांव लगा रहे थे। इनके कब्जे से 9200 रुपए नकद, दो मोबाईल एवं डेढ़ लाख का हिसाब-किताब मिला है, जिसे जब्ती में लिया गया है। दलौदा थाना प्रभारी शुभम व्यास ने अपनी टीम के साथ उच्च अधिकरियों के निर्देशन में कार्रवाई को अंजाम दिया। थाना पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली थी, इस पर धरपकड़ करते हुए आरोपी ईश्वर पिता रामेश्वर निवासी दलौदा एवं मुकेश पिता गोपाल परिहार निवासी दलौदा को हिरासत में लिया गया। दोनों आईपीएल सिरीज के दिल्ली-मुम्बई क्रिकेट मैच में दांव लगा रहे थे। इस कार्रवाई में सउनि तेजसिंह डामोर, प्रआर मुकेशसिंह, सागर, नारायण, सुनील यादव शामिल रहे।

7 अप्रैल को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के संभावित दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट

अपर कलेक्टर ने किया निरीक्षण कर देखी व्यवस्थाएं

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिगंबर जैन समाज द्वारा 2 से 7 अप्रैल तक आयोजित हो रहे पंचकल्याणक महोत्सव में प्रतिदिन धार्मिक आयोजन हो रहे हे । इस महोत्सव में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के आगमन को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है।

जानकारी के अनुसार महोत्सव समिति द्वारा पूर्व में ओम बिरला को आमंत्रित किया गया था, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया था। 7 अप्रैल को उनके सिंगोली आगमन की संभावना जताई जा रही है।इसी के मद्देनजर शनिवार को अपर कलेक्टर बी.एस. कनेश सिंगोली पहुंचे और कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान हेलीकॉप्टर संचालन को लेकर संबंधित कंपनी मैनेजर को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर प्रभारी एसडीएम पराग जैन, प्रभारी तहसीलदार बालकृष्ण मकवाना, राजस्व निरीक्षक बालकिशन धाकड़ सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

नीमच में भाजपा जिला कार्यालय का भूमि पूजन 6 अप्रैल को, डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष वर्चुअल रूप से होंगे शामिल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर इस वर्ष प्रदेशभर में विशेष उत्साह और भव्यता के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। संगठन को मजबूत आधार देने की दिशा में पार्टी द्वारा विभिन्न जिलों में आधुनिक जिला कार्यालयों के निर्माण का अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नीमच जिले में नए भाजपा जिला कार्यालय के निर्माण हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम 6 अप्रैल सोमवार को सुबह 10 बजे बंगला नंबर 60, पुरानी नगर पालिका परिसर में आयोजित किया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल वर्चुअल शामिल होंगे। इसके साथ ही प्रभारी मंत्री निर्मला भुरिया, प्रदेश कोषाध्यक्ष सीए अखिलेश जैन, सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक दिलीप सिंह परिहार, ओमप्रकाश सकलेचा, अनिरुद्ध माधव मारू और जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान सहित कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है और बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति की संभावना जताई जा रही है। आयोजन को सफल बनाने के लिए पार्टी द्वारा सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं।

प्रदेश स्तर पर भाजपा द्वारा कुल 18 जिलों में एक साथ नए और आधुनिक जिला कार्यालयों का निर्माण प्रस्तावित है। स्थापना दिवस के अवसर पर इन सभी जिलों में एक साथ भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जो संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। प्रस्तावित जिला कार्यालय आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे। इनका निर्माण लगभग 8 से 12 हजार वर्गफीट क्षेत्र में किया जाएगा, जिस पर 1.5 से 2.5 करोड़ रुपये तक की लागत आने का अनुमान है। भवनों में मीटिंग हॉल, कॉन्फ्रेंस रूम, डिजिटल सिस्टम, कंप्यूटर कक्ष और कार्यकर्ताओं के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था की जाएगी।

पार्टी ने इन भवनों का निर्माण एक वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, ताकि वर्ष 2027 तक इनका पूर्ण उपयोग शुरू किया जा सके।

यह आयोजन न केवल संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है, बल्कि नीमच जिले की राजनीति में भी इसकी खास अहमियत देखी जा रही।

सम्पादकीय

गांवों में पहली बार जनता देख रही है अपना पैसा, अपना विकास

जब किसी देश के गांव बदलते हैं, तभी उसका भविष्य बदलता है। आज भारत के गांवों में ऐसा ही ऐतिहासिक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। कभी पंचायत कार्यालयों में धूल खाती फाइलें, महीनों तक रुके भुगतान और विकास योजनाओं पर उठते सवाल आम थे। लेकिन अब वही ग्राम पंचायतें डिजिटल व्यवस्था के बल पर नई पहचान बना रही हैं। ईग्रामस्वराज पोर्टल के माध्यम से ?3 लाख करोड़ से अधिक का भुगतान होना केवल सरकारी उपलब्धि नहीं, बल्कि गांवों में बदलती व्यवस्था का मजबूत प्रमाण है। यह सफलता बताती है कि अब विकास का धन कागजों में नहीं अटकता, बल्कि सीधे जरूरत और काम तक पहुंचता है। भारत के गांव अब केवल विकास की प्रतीक्षा नहीं कर रहे, बल्कि स्वयं विकास की दिशा तय कर रहे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बदलाव ने पंचायतों के कामकाज का पूरा स्वरूप बदल दिया है। पंचायती राज मंत्रालय द्वारा विकसित ईग्रामस्वराज पोर्टल, ई-पंचायत अभियान का एकीकृत मंच है, जहां योजना, बजट, लेखा, निगरानी और भुगतान की पूरी प्रक्रिया एक साथ पूरी होती है। पहले ग्राम पंचायतों को अलग-अलग रजिस्टर, विभागीय मंजूरी और कागजी कार्यवाही पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे समय अधिक लगता था और गड़बड़ी की आशंका भी बनी रहती थी। अब पंचायतें गांव की जरूरत के अनुसार योजना बनाती हैं, उसे पोर्टल पर दर्ज करती हैं और काम पूरा होते ही भुगतान जारी कर देती हैं। सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली से जुड़ाव के कारण हर लेन-देन तुरंत दर्ज होता है और उसका पूरा विवरण सुरक्षित रहता है। जहां कभी गांवों में विकास योजनाएं कागजों तक सीमित रहती थीं, वहीं आज वही गांव डिजिटल बदलाव की मिसाल बन रहे हैं। मार्च 2026 तक ईग्रामस्वराज पोर्टल से ?3 लाख करोड़ से अधिक का भुगतान हो चुका है। केवल वित्तीय वर्ष 2025-26 में ही ?53,342 करोड़ का हस्तांतरण हुआ। यह बताता है कि गांवों ने डिजिटल व्यवस्था को तेजी से अपनाया है। आज 2,59,798 पंचायती राज संस्थाएं और 1.60 करोड़ से अधिक विक्रेता इस मंच से जुड़े हैं। साथ ही 2,55,254 ग्राम पंचायतें अपनी विकास योजनाएं पोर्टल पर अपलोड कर चुकी हैं। इतनी बड़ी भागीदारी सिद्ध करती है कि ग्रामीण भारत अब तकनीक से दूर नहीं, बल्कि उसके साथ आगे बढ़ रहा है। गांवों की चौपाल से पंचायत भवन तक अब डिजिटल सोच पहुंच चुकी है।

जहां पहले पंचायतों के खर्च और योजनाएं लोगों से छिपी रहती थीं, वहीं अब हर जानकारी सबके सामने है। यही इस व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है–पारदर्शिता और जवाबदेही। पहले गांवों में यह जानना कठिन था कि पंचायत को कितनी राशि मिली और वह कहां खर्च हुई। योजनाओं की जानकारी अक्सर कुछ लोगों तक सीमित रहती थी। अब ईग्रामस्वराज पोर्टल पर हर पंचायत का पूरा हिसाब उपलब्ध है। कोई भी नागरिक देख सकता है कि किस योजना के लिए कितनी राशि मिली, कितना खर्च हुआ और कौन-सा काम किस स्थिति में है। इससे ग्राम सभा केवल औपचारिक बैठक नहीं, बल्कि निगरानी और निर्णय का मजबूत मंच बन गई है। जनता को जानकारी मिलते ही पंचायतों की जवाबदेही बढ़ती है और लोकतंत्र की जड़ें गहरी होती हैं। सबसे बड़ा बदलाव गांव की अर्थव्यवस्था में दिखाई दे रहा है। पहले छोटे दुकानदारों, स्थानीय ठेकेदारों और सेवा देने वालों को भुगतान के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता था। कई बार उन्हें पंचायत कार्यालय के बार-बार चक्कर लगाने पड़ते थे। अब भुगतान सीधे उनके बैंक खाते में पहुंच रहा है। इससे बिचौलियों की भूमिका लगभग समाप्त हो गई है। समय पर धन मिलने से छोटे व्यवसायियों का भरोसा बढ़ा है और गांवों में आर्थिक गतिविधियां तेज हुई हैं। सड़क निर्माण, पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता अभियान, विद्यालय मरम्मत और सामुदायिक भवन जैसे कार्य अब पहले से अधिक तेजी से पूरे हो रहे हैं। इससे स्थानीय रोजगार बढ़ा है और गांवों की अर्थव्यवस्था को नया सहारा मिला है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह बदलाव केवल दफ्तरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे समाज को नई शक्ति दे रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पंचायत सहायता प्रणाली अब 23 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। इससे गांव के लोग अपनी भाषा में पंचायत की कार्यवाही और योजनाओं को आसानी से समझ पा रहे हैं। पहले कठिन सरकारी भाषा और प्रक्रियाओं के कारण महिलाएं, किसान और युवा पंचायत से दूर रहते थे। अब वही लोग सक्रिय रूप से जुड़ रहे हैं। महिलाएं घर बैठे योजनाओं की जानकारी देख रही हैं, किसान विकास कार्यों की स्थिति समझ रहे हैं और युवा पंचायत के निर्णयों पर नजर रख रहे हैं। इस प्रकार ईग्रामस्वराज केवल डिजिटल मंच नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और जनभागीदारी का नया आधार बन गया है।

यह सफलता जितनी बड़ी है, उसका सफर उतना ही कठिन रहा है। देश के अनेक दूरस्थ गांवों में इंटरनेट की कमी, अनियमित बिजली और डिजिटल जानकारी का अभाव बड़ी बाधाएं थे। शुरुआत में कई पंचायत प्रतिनिधि और कर्मचारी नई व्यवस्था को समझ नहीं पा रहे थे। लेकिन लगातार प्रशिक्षण और सरल प्रणाली ने यह मुश्किल दूर कर दी। पंचायत प्रतिनिधियों को तकनीकी प्रशिक्षण मिला, गांवों तक डिजिटल उपकरण पहुंचे और पोर्टल को इतना आसान बनाया गया कि कम पढ़े-लिखे लोग भी इसका उपयोग कर सकें। यही कारण है कि आज 2.5 लाख से अधिक पंचायतें इस मंच से जुड़ चुकी हैं। यह साबित करता है कि मजबूत संकल्प के सामने हर बाधा छोटी पड़ जाती है। आज ईग्रामस्वराज पोर्टल गांवों में आए परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रतीक बन चुका है। यह केवल एक वेबसाइट नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव है। आने वाले समय में सरकारी ई-बाजार से जुड़ाव, तात्कालिक विवरण पट और उन्नत निगरानी जैसी सुविधाएं इसे और प्रभावी बनाएंगी।

जैसा भी जीवन मिला है, इसे इसी रुप में स्वीकारें, यही जीवन आनंदमय बन जाएगा : श्री माताजी

भौतिक जीवन रोलर कोस्टर राइड की भांति होता है जहां उतार-चढ़ाव से प्रतिपल सामना होता रहता है। सुख व दुख से मानव व्यथित होता रहता है। वास्तव में अभाव हमारे दुख का मुख्य कारण है,जो कुछ भी मर्त्य है वो अपूर्ण है। इसी कारण इस जगत की कोई भी चीज हमें संतुष्टि प्रदान नहीं कर पाती तथा अनेक प्रकार की लालसाएं सदैव ही हमें भ्रमित करती रहती हैं। इसी संदर्भ में सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने अपनी अमृतवाणी में कहा है कि, सुख और दुःख एक ही साथ चलते हैं, आज कोई आदमी सुख पे चढ़ा फिर दुख्ख में उतरा, आशा निराशा के इस झमेले में ही मनुष्य पड़ा रहता है लेकिन आनंद एकमेव होता है, उसमें सुख और दुःख का विभाजन नहीं होता है, आनंद में मनुष्य शांत चित्त होकर के सारी चीज को देखता है जैसे कोई खेल हो, जैसे कोई नाटक हो रहा हो, सब चीज को देखता है और कोई चीज भीषण भी लगती है उसे भी वो देखता है और कारण कि वो देख सकता है साक्षी भाव से, वो उसे ठीक भी कर सकता है क्योंकि वो एक महान आत्मा है। जीवन जैसा है, इसे इसी रूप में स्वीकार करें । वहां जैसा जीवन है, इसे स्वीकार करें। प्रतिकार न करें, क्रोधित न हों, निराश न हों, बस इसे स्वीकार करें, और आप उसी जीवन का आनंद लेने लग जाएंगे, जो जीवन आपको परेशान कर रहा था। आप इस जीवन का आनंददायी पहलू देखेंगे, और यह इतना सुंदर होगा कि इस तरह से इसे देखकर आप अपनी सारी समस्याओं पर विजय पा लेंगे। आप अपने सभी शत्रुओं पर विजय पा लेंगे, और आपको एक तरह का अत्यंत सुन्दर व ताज़ा जीवन मिलेगा।

सहजयोग में कुंडलिनी जागरण के पश्चात् साक्षी स्वरूप होना तथा निर्मल आनंद को प्राप्त करना अत्यंत ही सहज रूप में हो जाता है। मां के समक्ष आत्मसाक्षात्कार की यह जटिल प्रक्रिया सरल रूप में तत्क्षण ही संपन्न हो जाती है ।

दंड से सुधार की ओर विश्वास आधारित न्यायिक यात्रा

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि व्यवस्था, अनुशासन, सुधार और विश्वास का वातावरण बनाना भी होता है। इसी दृष्टि से भारत सरकार द्वारा लाया गया जन विश्वास विधेयक 2026 पहले लोकसभा के बाद अब राज्यसभा से भी पारित होने से इसके कानून के रूप में अमल का रास्ता साफ हो गया। इसके माध्यम से उस व्यवस्था को विदा देने का जतन किया गया है, जिसमें छोटी-छोटी गलतियों या सामान्य नियम-कानूनों के उल्लंघन पर जेल की सजा का प्रविधान था, अब ऐसा होने पर आर्थिक दंड लगेगा। निश्चित ही इस विधेयक का पारित होना एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है, भारतीय कानूनी परिवेश की एक उजली भोर है। निश्चित तौर यह कानून दंडात्मक व्यवस्था से सुधारात्मक व्यवस्था की ओर बढ़ने का संकेत देता है। इसमें लगभग 79 केंद्रीय कानूनों में संशोधन कर 784 प्रविधानों में संशोधन किये गये हैं और 700 से अधिक छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया है। इससे अदालतों में मुकदमों का बोझ और न्यायिक तंत्र पर दबाव कम होगा। अब ड्राइविंग लाइसेंस की अवधि खत्म होने पर भी वह 30 दिन तक वैध रहेगा और राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने पर सजा के स्थान पर जुर्माने का प्रविधान होगा। इसी तरह अन्य अनेक मामलों में ऐसा होगा। इनमें से कई मामले कारोबारियों से भी जुड़े हैं, जैसे पहले ड्रग्स एवं कास्मेटिक नियमों के उल्लंघन पर जेल हो सकती थी, लेकिन अब केवल जुर्माना लगेगा। जो छोटे कारोबारी प्रायः जटिल नियम-कानूनों के अनचाहे उल्लंघन के कारण दंडित होने के दबाव में भयभीत रहते थे, वे अब भयमुक्त होंगे।

भाजपा सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रमुख लक्ष्यों में से एक है भारत की व्यवस्था एवं कानूनों का सरल एवं सुगम बनाना, यह कानून उसी दिशा में एक रचनात्मक एवं सृजनात्मक उपक्रम है। इस विधेयक से न केवल न्यायिक प्रणाली पर बोझ कम होगा बल्कि नागरिकों, उद्यमियों और निवेशकों में सरकार के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा। इसे न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन की अवधारणा को व्यवहार में उतारने वाला कानून भी कहा जा सकता है। दंड नहीं, सुधार की भावना को बल देते हुए इस कानून से आम-जनता को कानून की जटिल प्रक्रियाओं एवं भ्रष्टाचार की व्यवस्था से मुक्ति मिलेगी। भारतीय न्याय व्यवस्था लंबे समय तक दंड आधारित रही है, जिसमें छोटे-छोटे उल्लंघनों के लिए भी आपराधिक मुकदमे चल जाते थे। इससे अदालतों में मुकदमों का ढेर लग जाता था और आम नागरिक अनावश्यक कानूनी प्रक्रियाओं में उलझ जाते थे। जन विश्वास विधेयक ने इस सोच को बदलने का प्रयास किया है। इससे कानून का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि सुधार करना और व्यवस्था बनाए रखना होगा। अपराध की गंभीरता के अनुसार दंड तय करना न्याय के मूल सिद्धांतों के अधिक अनुरूप है।

इस कानून से न्यायिक प्रक्रिया तेज होगी और गंभीर अपराधों पर अधिक ध्यान दिया जा सकेगा। यह कानून न्यायिक सुधार की दिशा में भी एक बड़ा ऐतिहासिक कदम है, क्योंकि इससे न्यायालयों का समय और संसाधन बचेंगे और न्याय प्रणाली अधिक प्रभावी बनेगी। इस कानून का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य व्यापार और उद्योग जगत में विश्वास का वातावरण बनाना भी है। पहले कई छोटे नियमों के उल्लंघन पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हो जाते थे, जिससे उद्यमियों और निवेशकों में भय का वातावरण रहता था। अब आर्थिक दंड के प्रावधान से अनुपालन का बोझ कम होगा और व्यापार करने में आसानी होगी। इससे छोटे उद्यमियों, स्टार्टअप और उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा भारत में निवेश का वातावरण और बेहतर बनेगा। वैश्विक स्तर पर भी भारत की छवि एक सरल और निवेश अनुकूल देश के रूप में मजबूत होगी।

इस कानून की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसकी भावना भारतीय संस्कृति के बहुत निकट दिखाई देती है। भारतीय संस्कृति में दंड से अधिक सुधार, प्रतिशोध से अधिक क्षमा और अपराध से अधिक परिमार्जन की परंपरा रही है। हमारे शास्त्रों और परंपराओं में कहा गया है कि मनुष्य से गलती होना स्वाभाविक है, लेकिन उसे सुधार का अवसर मिलना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियों के लिए कठोर दंड देना न्याय नहीं, बल्कि अन्याय की श्रेणी में आ सकता है। इस दृष्टि से यदि कानून व्यवस्था में क्षमा, सुधार और परिमार्जन की व्यवस्था हो, तो समाज अधिक मानवीय और संवेदनशील बन सकता है। भारत की संस्कृति दंडात्मक नहीं, बल्कि सुधारात्मक और समन्वयवादी रही है। जन विश्वास विधेयक इसी भावना को आधुनिक कानूनी व्यवस्था में स्थापित करने का प्रयास प्रतीत होता है। यह कानून विश्वास आधारित शासन की ओर अग्रसर होने के साथ मेरा भारत महान् का उद्घोष है। यह कानून सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने वाला भी है। जब सरकार नागरिकों को अपराधी मानने की बजाय जिम्मेदार नागरिक मानकर कानून बनाएगी, तो नागरिकों में भी कानून के प्रति सम्मान और पालन की भावना बढ़ेगी। विश्वास आधारित शासन किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति होता है। भय आधारित शासन में नागरिक कानून से बचने की कोशिश करते हैं, जिससे समाज में भ्रष्टाचार को पनपने का मौका मिलता है जबकि विश्वास आधारित शासन में नागरिक कानून का पालन स्वयं करते हैं। देश एवं समाज के प्रति जिम्मेदारी का अहसास स्वतः जागता है।

भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है। विकसित राष्ट्र बनने के लिए केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि न्यायिक, प्रशासनिक और कानूनी सुधार भी आवश्यक हैं। जन विश्वास विधेयक इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। सरल कानून, कम सरकारी हस्तक्षेप, तेज न्याय प्रणाली और व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण-ये सभी विकसित राष्ट्र की पहचान होते हैं। इस दृष्टि से यह कानून भारत को आधुनिक और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सहायक सिद्ध होगा। यह भी स्वीकार करना होगा कि इस प्रकार के बड़े कानूनी सुधार राजनीतिक इच्छाशक्ति के बिना संभव नहीं होते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कई प्रशासनिक और कानूनी सुधार किए हैं, जिनका उद्देश्य शासन को सरल, पारदर्शी और जनहितकारी बनाना है, न्याय व्यवस्था को ज्यादा मानवीय एवं व्यावहारिक बनाना है। इसी कारण प्रधानमंत्री ने इस विधेयक के पारित होने पर यह आशा व्यक्त की कि इसके जरिये भरोसे पर आधारित व्यवस्था का निर्माण होने के साथ आम नागरिक सशक्त बनेंगे। जन विश्वास विधेयक उसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह दर्शाता है कि सरकार नागरिकों को दंडित करने की बजाय उनके साथ विश्वास का संबंध स्थापित करना चाहती है। यह कानून शासन और जनता के बीच विश्वास का पुल बनाने का एक सराहनीय एवं सूझबूझभरा प्रयास है।

वास्तव में कानून का शासन ऐसा होना चाहिए, जिसमें मामूली गलती या किसी गफलत या अनजाने में की गई भूल कठोर सजा का कारण नहीं बननी चाहिए। अब जब जन विश्वास विधेयक से हालात में व्यापक बदलाव की उम्मीद की जा रही है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि इस विधेयक के प्रविधानों से आम जनता को अवगत कराया जाए, ताकि वह अधिकतम लाभ उठा सके और शोषण एवं भ्रष्टाचार से भी बच सके। ध्यान रहे आम लोग सशक्त तब होते हैं, जब वे नियम-कानूनों से भली तरह अवगत होते हैं। जनता को बदले हुए नियम-कानूनों से परिचित कराने का काम सरकार को करना चाहिए। इसी के साथ उसे इसे लेकर सावधान रहना होगा कि छोटे अपराधों में जेल भेजने वाले प्रविधानों की जगह चेतावनी देने और जुर्माना लगाने वाली नई व्यवस्था से समाज में ऐसा कोई संदेश न जाए कि नियम-कानूनों के उल्लंघन पर जुर्माना देकर बचा जा सकता है। यदि जुर्माना देकर नियम-कानूनों को हल्के में लेने की प्रवृत्ति बढ़ी तो इस विधेयक का उद्देश्य ही व्यर्थ हो जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण जुर्माना लेने की परम्परा कहीं प्रशासनिक अधिकारियों एवं न्यायिक अधिकारियों को अधिक भ्रष्ट न बना दे। लोगों को भी यह समझना आवश्यक है कि अधिकारों के साथ कर्तव्यों के पालन से ही कोई राष्ट्र प्रगति पथ पर तेजी से आगे बढ़ता है।

निश्चित तौर पर इस कानून से समूची दुनिया में भारतीय कानून अनुकरणीय बनेंगे, कहा जा सकता है कि जन विश्वास विधेयक केवल एक कानूनी संशोधन नहीं, बल्कि शासन की सोच में बदलाव का प्रतीक है। यह कानून दंड से सुधार, भय से विश्वास और जटिलता से सरलता की ओर बढ़ने का संकेत देता हैं। भारतीय संस्कृति में क्षमा, सुधार, परिमार्जन और सह-अस्तित्व की जो परंपरा रही है, यह कानून उसी भावना को आधुनिक कानून व्यवस्था में स्थान देने का प्रयास है। इस कानून का सही ढंग से क्रियान्वयन हुआ, तो यह न केवल न्यायिक व्यवस्था को सरल बनाएगा, बल्कि भारत में विश्वास आधारित शासन की स्थापना करेगा और विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

-ललित गर्ग

लैंगिक समानता को बल देने वाली पहल

गर्मियां शुरू हो चुकी हैं और इसी के साथ जल संकट के दिन आने वाले है। ऐसे ही माहौल में बीते दिनों विश्व जल दिवस मनाया गया। 1993 से संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया जा रहा यह दिवस जल को जीवन, विकास और मानव अधिकार के रूप में स्थापित करने के वैश्विक प्रयासों का प्रतीक है, किंतु इस औपचारिकता के पीछे एक कठोर सच्चाई आज भी यथावत है। यह सच्चाई केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के जीवन में दिखाई देती है।

फिजी के एक तटीय गांव में रहने वाली छह वर्षीय लैसानी घर के पास पानी के टैंक से वर्षा जल एकत्र करती है। वह प्लास्टिक की बोतलों में पानी भरकर घर लाती है, जहां पीने से पहले उसे उबाला जाता है। उसके परिवार के लिए वर्षा जल ही सुरक्षित पानी का मुख्य स्रोत है। इसे उपयोग योग्य बनाए रखना उनके दैनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा है। यह केवल एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि तथ्य बताते हैं कि विश्व में लगभग 1.8 अरब लोगों के घरों में पेयजल उपलब्ध नहीं है।

हर तीन में से दो परिवारों में पानी लाने की जिम्मेदारी मुख्यतः महिलाओं और लड़कियों पर होती है। पानी लाने और उसके प्रबंधन में खपने वाला समय अक्सर लड़कियों की शिक्षा में बाधा, स्वास्थ्य जोखिमों में वृद्धि और सीमित अवसरों का कारण बनता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार वैश्विक स्तर पर महिलाएं और लड़कियां प्रतिदिन लगभग 25 करोड़ घंटे पानी एकत्र करने में व्यतीत करती हैं। यह केवल समय का आंकड़ा नहीं, बल्कि वे असंख्य अवसर हैं, जो शिक्षा, कौशल विकास, मनोरंजन या आय अर्जित करने वाली गतिविधियों में परिवर्तित हो सकते थे। आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि 15 वर्ष से कम आयु की लड़कियों (7 प्रतिशत) के पानी लाने की संभावना समान आयु के लड़कों (4 प्रतिशत) की तुलना में अधिक है। यह लैंगिक असमानता को उजागर करता है।

यूएन वर्ल्ड वाटर डेवलपमेंट रिपोर्ट 2026 यह रेखांकित करती है कि जल संकट केवल संसाधनों की उपलब्धता का प्रश्न नहीं, बल्कि समान अधिकारों और अवसरों से जुड़ा हुआ एक गहरा सामाजिक प्रश्न है। घरों में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता के अभाव का सबसे अधिक भार महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है, जो अधिकांश परिवारों में पानी लाने की प्राथमिक जिम्मेदारी निभाती हैं। जब सुरक्षित जल घर के निकट उपलब्ध होता है, तो लड़कियों के स्कूल में बने रहने की संभावना बढ़ती है और महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए समय मिलता है।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

हाय नोबल सर, आप ट्रंप के ना हुए

बेचारा नोबेल भी क्या करे उसे भी अपनी इज़्ज़त बचानी थी।डोनाल्ड ट्रंप साहब जब दूसरी बार सत्ता के सिंहासन पर विराजे तो उनके मन में एक ही दिव्य प्रकाश की किरण प्रस्फुटित हुई, कुछ ऐसा किया जाय कि इतिहास और दुनिया भी दंग रह जाए और नोबेल पुरस्कार खुद चलकर व्हाइट हाउस के दरवाज़े पर नतमस्तक हो जाए। उन्हें लगा कि दुनिया में शांति स्थापित करना उतना ही आसान है जितना ट्विटर अब एक्स पर एक पोस्ट डालना।उन्होंने ऐलान किया मैंने कइ देशों के बीच शांति स्थापित करा दी है।

इंटरनेशनल मीडिया ने पूछा कौन कौन से देश उन्होंने कहा नाम मत पूछो, शांति गोपनीय होती है नाम उजागर करने से शांति भंग होने की आशंका हो जाती है।अब ट्रंप साहब शांति के होलसेल ठेकेदार बन गए कि जहाँ शांति दिखी, वहाँ उन्हें खतरा महसूस हुआ। बोले ये कैसी शांति है जिसमें मेरा रोल और योगदान नहीं? बस फिर क्या था, उन्होंने शांति को बचाने के लिए युद्ध की चाबी घुमा दी अस्त्र-शस्त्र का बटन ऑन कर दिया। ईरान की तरफ़ एक तिरछी नज़र डाली, वेनेजुएला की तरफ़ दूसरी, जैसे कोई डॉक्टर मरीज को बचाने के लिए पहले उसे बीमार घोषित कर देता है, मरीज गंभीर बीमार है इसे इलाज की जरूरत है और इसका इलाज मैं ही कर सकता हूं।

उन्हें पूरा यकीन था कि नोबेल कमेटी सोच रही होगी इतना महान आदमी हमने आज तक कैसे नहीं देखा, जो युद्ध करके शांति लाता और पूरी दुनिया में इसका डिंडोरा पिटता है,लेकिन नोबेल कमेटी वाले भी कोई साधु-संत तो हैं नहीं उन्हें पता है कि यह शांति नहीं, शांति का रियलिटी शो या डुप्लीकेट डेमो चल रहा है, जिसमें हर एपिसोड के बाद टीआरपी गिर जाती है। उधर बराक ओबामा साहब का नाम इतिहास में पहले से दर्ज है। ट्रंप जी को यह बात कुछ वैसी ही चुभती थी जैसे पड़ोसी के घर में खरीदी गई नई कार, उन्होंने सोचा अगर ओबामा जी को नोबेल मिल सकता है, तो मुझे क्यों नहीं? मैं तो उनसे ज़्यादा एक्टिव हूँ कम से कम ट्वीट तो ज़्यादा करता हूँ और सोशल मीडिया में उनसे कहीं ज्यादा सुपर एक्टिव हूं।नोबेल पुरस्कार भी कोई चुनावी वादा तो था नहीं कि भाषण देकर ले हथिया लिया जाए। वह चुपचाप बैठा रहा, जैसे किसी जिद्दी बच्चे की जिद सुनकर बाप अनदेखी कर चुचाप अख़बार पढ़ता रहे। आखिरकार ट्रंप जी समझ गए कि नोबेल पुरस्कार भी एक अजीब नायाब मृग मरीचिका है जिसे पाने के लिए जितना दौड़ो, वो उतना ही दूर भागती है,इधर दुनिया ने यह नया सिद्धांत सीख लिया,जहाँ युद्ध ज़्यादा हो, वहाँ शांति की बात सबसे ज़्यादा होती है।

ट्रंप साहब को नोबेल तो नही मिला, पर एक नई उपलब्धि सीख की तरह जरूर मिल गई, इतिहास में यह दर्ज हो गया कि शांति के नाम पर सबसे ज़्यादा शोर किसने मचाया,किसने सबसे ज्यादा ढिंढोरा किसने पीटा।

संजीवनी

ज़िंदगी में मुफ़्त कहां ख़ुशी मिलती है?
रात की तबाह नींदों से ही मिलती है।
पथरीली राह में जब पाँव लहूलुहान हुए,
बड़ी मुश्किल से तब मंज़िल मिलती है।
शौक़ बेवजह दिलों में यूँ ही पाले कब से
पत्थरों से टकराकर उनकी झलक मिलती है।
कई सफ़्हे यूँ ही स्याही में डुबो कर देखो,
तब कहीं जा के मुकम्मल ग़ज़ल बनती है।
ज़िंदगी को तो बड़े शौक़ से गले लगाया,
मौत से ही उसकी कोई शै मिलती है।
जब भी जलते सफ़र में ये पाँव के छाले,
सख़्त चट्टानों में फिर एक राह मिलती है।
संजीव ये हक़ीक़त समझ लो अब तुम,
दर्द के अश्कों में ही हर निशात मिलती है।
निशात- खुशी।

-संजीव ठाकुर

मुसीबत न बन जाए 'बिना कोलैटरल' वाला कर्ज, 2008 जैसा बैंकिंग संकट दोहराने की आशंका

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने प्रस्ताव दिया है कि सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के मामले में 20 लाख रुपये तक के ऋण पर बैंकों को गिरवी (कोलैटरल) की शर्त हटा देनी चाहिए। आरबीआई ने यह भी कहा है कि स्वैच्छिक रूप से सोना या चांदी गिरवी रखने की अनुमति दी सकती है। केंद्रीय बैंक की यह मंशा समझ में आती है क्योंकि भारत की छोटी कंपनियां गिरवी आधारित ऋण पर बहुत अधिक निर्भर हैं और नकदी प्रवाह आधारित ऋण की ओर बढ़ना एक दीर्घकालिक लक्ष्य है।

हालांकि, इस तरह के बदलाव अनिवार्य करने से यह जरूरी नहीं कि मूल समस्या का समाधान हो जाए। ऋण बाजार में ग्राहकों से जुड़ी सभी जानकारियां उपलब्ध नहीं होती हैं। इसकी अनदेखी करते हुए गिरवी व्यवस्था समाप्त करना वित्तीय प्रणाली को और अधिक कमजोर बना सकता है और अंततः ऋण की आपूर्ति बढ़ाने के बजाय इसे कम कर सकता है। आखिर ऐसा क्यों हैं? यह समझने के लिए ऋण आवंटन की राह में आने वाली बाधाओं के कारणों पर विचार करना जरूरी है। अधिकांश वस्तुओं की बाजारों में कीमतें तब तक समायोजित होती हैं जब तक आपूर्ति मांग के बराबर नहीं हो जाती। अगर मांग बढ़ती है तो कीमतें बढ़ती हैं और उत्पादक अधिक आपूर्ति करते हैं। ऋण बाजार अलग तरह से व्यवहार करता है। स्टिग्लिट्ज़ और वीस (1981) के प्रसिद्ध शोध में इसकी व्याख्या की गई है। जब ऋणदाता ब्याज दरें बढ़ाते हैं तो वे अधिक जोखिम लेने को तैयार ग्राहकों (कर्जधारकों) को आकर्षित करते हैं जबकि सुरक्षित ग्राहक अक्सर पीछे हट जाते हैं क्योंकि बढ़ी हुई दर उनके लिए फायदेमंद नहीं होती।इसका नतीजा यह होता है कि ब्याज दरों में वृद्धि के साथ ग्राहकों का समूह अधिक जोखिम भरा हो जाता है। नैतिक जोखिम की समस्या भी है। एक बार ऋण प्राप्त करने के बाद कर्जधारक ऐसे कदम उठा सकते हैं जिससे विफलता की आशंका बढ़ जाती है क्योंकि अधिकांश लाभ उन्हें ही मिलता है जबकि ऋणदाता को नुकसान उठाना पड़ता है।

ऋण प्राप्त करने के बाद कर्जधारक किसी जोखिम भरी परियोजना में निवेश कर सकता है या प्रयास कम कर सकता है। इन समस्याओं के कारण ऋणदाता हमेशा ब्याज दरें बढ़ाकर ऋण की बढ़ती मांग पर प्रतिक्रिया नहीं देते हैं। इसके बजाय वे ऋण को सीमित कर देते हैं जिससे ऊंची ब्याज दरों का भुगतान करने वाले कुछ कर्जधारकों को ऋण नहीं मिल पाता है। कोई वस्तु या जायदाद गिरवी रखने की व्यवस्था इन्हीं चिंताओं को दूर करने के लिए की गई है। जब कर्जदाताओं के पास कर्जधारकों की नकदी के स्रोत के बारे में सीमित जानकारी होती है और ऋण आवंटन के बाद अनिश्चितताओं को लेकर वे चिंतित होते हैं तो कुछ वस्तु या जायदाद बतौर गिरवी लेकर वे थोड़े आश्वस्त हो जाते हैं।

संपत्ति गिरवी रखकर कर्जधारक अपनी गंभीरता का संकेत देता है और मानता है कि विफलता का उसे व्यक्तिगत नुकसान उठाना पड़ेगा। इससे ऋण लौटाने की संभावना बढ़ जाती है और उधारदाताओं को ऋण देने का भरोसा मिलता है। गिरवी रखने से कमजोर क्रेडिट इतिहास वाले उधारकर्ताओं को भी ऋण बाजारों तक दोबारा पहुंच प्राप्त करने का अवसर मिलता है। संपत्ति गिरवी रखकर वे उधारदाताओं को आश्वस्त करते हैं कि भले ही पिछले व्यवहार ने संदेह पैदा किया हो फिर भी उन्हें ऋण देने का ठोस आधार मौजूद है।

प्रस्तावित नियम-कायदों से अप्रत्यक्ष रूप से यह मान लिया गया है कि बैंक गिरवी इसलिए मांगते हैं क्योंकि वे व्यावसायिक नकदी प्रवाह का आकलन करने में दिलचस्पी नहीं रखते हैं या क्योंकि वे बाजार शक्ति का प्रयोग करते हैं। इन प्रस्तावित नियमों के अनुसार गिरवी की शर्त हटा दिए जाने पर ऋण से जुड़े जोखिम में कोई खास बदलाव नहीं आएगा। लेकिन कई देशों के साक्ष्य इसके विपरीत संकेत देते हैं।

उभरती और विकसित दोनों अर्थव्यवस्थाओं में असुरक्षित ऋणों की तुलना में सुरक्षित ऋणों में भुगतान चूक (डिफॉल्ट) होने की आशंका अधिक होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि गिरवी भुगतान में चूक का कारण बनती है। कर्जदाता गिरवी की शर्त उन्हीं कर्जधारकों के समक्ष रखते हैं जिन्हें वे अधिक जोखिम भरा मानते हैं। बिना गिरवी आधारित सुरक्षा के ऐसे कर्जधारकों को ऋण देते समय बैंकों को अधिक नुकसान उठाना पड़ेगा। अगर ऋण के एवज में कोई कीमती वस्तु या जायदाद गिरवी रखने पर प्रतिबंध लगाया जाता है तो इसके कई नतीजे संभव हैं। बैंक उन उधारकर्ताओं को ऋण देने से इनकार कर सकते हैं जिन्हें गिरवी आधारित ऋण आसानी से प्राप्त हो जाता। या फिर बैंक सोने या चांदी को गिरवी रखने की व्यवस्था पर अधिक जोर दे सकते हैं जिसकी अनुमति नियमों में स्पष्ट रूप से दी गई है। इससे अनपेक्षित परिणाम उत्पन्न हो सकते हैं। छोटे व्यवसायों द्वारा गिरवी रखी गई अधिकांश वस्तुओं में मशीनरी, वाहन या उपकरण जैसी व्यावसायिक संपत्तियां शामिल होती हैं जो सीधे व्यवसाय से जुड़ी होती हैं।

कर्जधारकों को इसके बजाय घरेलू सोना या चांदी गिरवी रखने के लिए बाध्य करने का अर्थ प्रभावी रूप से उनसे अधिक व्यक्तिगत संपत्ति दिखाने के लिए कहना है। कई लघु व्यवसायों के पास उत्पादक संपत्तियां हो सकती हैं मगर उनके पास घरेलू सोना नहीं हो सकता है। इस तरह गिरवी के रूप में स्वीकार्य वस्तुओं को प्रतिबंधित करने से ठीक वही उधारकर्ता वंचित हो सकते हैं जिनकी मदद के लिए यह नीति बनाई गई है।

एक दूसरा बड़ा जोखिम भी है। अगर बैंकों को पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना ऋण देने के लिए मजबूर किया जाता है तो ऋण चूक बढ़ सकती है। भारत पहले ही ऋण देने संबंधी नीतिगत प्रोत्साहनों के परिणाम भुगत चुका है। वर्ष 2008 से 2018 के बीच नीतिगत संकेतों और नियामकीय छूट के कारण बुनियादी ढांचे और संबंधित क्षेत्रों में बैंकों द्वारा ऋण देने में भारी वृद्धि हुई। इसका परिणाम एक बड़ा बैंकिंग संकट था जिसमें गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों में वृद्धि हुई और बैंकों के बहीखाते दबाव में आ गए।

अगर लक्ष्य ऋण तक पहुंच आसान बनाना है तो बेहतर तरीका यह है कि ऋणदाताओं को जोखिम का आकलन करने और ऋण वसूलने में बाधा डालने वाली रुकावटें कम किया जाएं। ऋणदाताओं के अधिकारों को मजबूत करना एक कदम है। सरफेसी ढांचे के तहत भी वित्तीय संस्थानों को चूक के बाद गिरवी रखी जायदाद प्रभावी ढंग से हस्तांतरित या परिसमापन करने में अक्सर महीनों या वर्षों का इंतजार करना पड़ता है। क्रियान्वयन में तेजी लाकर लागत कम करनी होगी और ऋण आवंटन को प्रोत्साहन देना होगा।

सूचना अवसंरचना में सुधार भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। एकीकृत ऋण प्रणाली (यूनिफाइड लोन इंटरफेस) का विकास और क्रेडिट स्कोर को नियमित रूप से अपडेट करने की आवश्यकता सकारात्मक कदम हैं। इन पहलों का विस्तार किया जाना चाहिए। क्रेडिट स्कोर के मामले में प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ावा देना, डेटा तक पहुंच बढ़ाना और सरकारी प्रशासनिक डेटा का उपयोग कर वैकल्पिक क्रेडिट स्कोर विकसित करने से जानकारियों की कमी काफी हद तक दूर की जा सकती है।

संक्षेप में, आरबीआई के प्रस्ताव के पीछे का इरादा सराहनीय है। मगर बाजार की विफलताओं का सबसे अच्छा समाधान उन बाधाओं को दूर कर किया जा सकता है जो बाजारों के कामकाज में रुकावट डालती हैं न कि उन तंत्रों पर प्रतिबंध लगाकर जो इन बाधाओं के बावजूद उन्हें कार्य करने में मदद करते हैं। बिना किसी गारंटी के ऋण देने को अनिवार्य बनाने से, मूल समस्या को हल करने के बजाय, जोखिम के केवल स्थानांतरित या टालने का खतरा रहता है।

-धनंजय राजौरा

जिले के किसान सज्जन सिंह पटेल बायोगैस संयंत्र एवं जैविक पद्धति से कर रहे खेती

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्र और राज्य शासन द्वारा खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने और किसानों को आर्थिक तौर पर सुदृढ़ करने के लिए कई अभियान, योजनाएं एवं किसान हितैषी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शासन के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा किसानों के अब बायोगैस संयंत्र एवं जैविक खेती के बारे में बताया जा रहा है और कृषकगण अब आधुनिक तरीके से बायोगैस संयंत्र एवं जैविक खेती अपना रहे हैं।

इन्हीं किसानों देवास जिले के टोंकखुर्द विकासखंड ग्राम गोरवा के किसान सज्जनसिंह पिता श्री पुंजराज पटेल हैं जो कि आज बायोगैस संयंत्र के माध्यम से जैविक खेती कर रहे हैं। कृषक सजन सिंह पटेल ने बताया कि उनके पास 01 हैक्टेयर कृषि भूमि है जिसमें पूर्व में वे रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कर रबी एवं खरीफ की फसलों की खेती परंपरागत ढंग से की जा रहे थे। इसी बीच उन्हें क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखंड टोंकखुर्द श्री भारत सिंह सोलंकी ने गांव में किसानों के जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जैविक खेती अपनाने पर विशेष बल दिया गया और बायोगैस संयंत्र की जानकारी दी। उन्होंने कई बार व्यक्तिगत रूप से उन्हें जैविक खेती पद्धति के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि कम लागत में अच्छा उत्पादन प्राप्त होगा और भूमि की उर्वरा शक्ति एवं जलधारण क्षमता बढ़ेगी जिससे मृदा स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कृषक श्री पटेल ने बताया कि कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी से प्रेरित होकर वर्ष 2022 में मैंने एक बायोगैस संयंत्र का निर्माण करवाया, जिसके लिए योजनांतर्गत शासन स्तर से उन्हें अनुदान राशि भी प्राप्त हुई। कृषक श्री पटेल ने बताया कि तीन घन मीटर का बायोगैस स्थापित कराया था जिससे उन्हें 20 क्विंटल स्लरी गोबर खाद प्रतिवर्ष प्राप्त हुई। जिसका उपयोग खेती में कर उनके द्वारा 20000 रुपए प्रति वर्ष का आर्थिक लाभ लिया जा रहा है। स्थापित बायोगैस संयंत्र से भोजन बनाने के लिए उत्तम सुरक्षित व सस्ती ईंधन की प्राप्ति, प्रकाश व बायोगैस स्लरी जैसी उत्तम किस्म के खाद प्राप्त हुई। उक्त विधियों से खाद तैयार कर उनका उपयोग खेतों में करने से भूमि की उर्वरा शक्ति में तो वृद्धि हुई ही है साथ ही फसलों की पैदावार भी अधिक मिली है। कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करके वे आर्थिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं। वे शासन के इस महत्ती अभियान के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और कृषि विभाग के हृदय से आभार व्यक्त कर रहे हैं।

देवास नगर में एलपीजी उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य

आदेश के तीन माह की समय-सीमा के बाद पीएनजी उपलब्ध क्षेत्रों में एलपीजी आपूर्ति बंद का प्रावधान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आपूर्ति अधिकारी दिनेश कुमार अहिरवार द्वारा बताया गया कि भारत सरकार के राजपत्र असाधारण प्राधिकार से प्रकाशित दिनांक 24 मार्च 2026 ÷प्राकृतिक गैस ओर पेट्रोलियम उत्पाद वितरण (पाईप लाईनों और अन्य सुविधाओं को बिछाने, निर्माण, संचालन और विस्तार के लिये) आदेश, 2026÷ जारी किया गया है। आदेश अनुसार घरेलू उपभोक्ताओं को पाईप लाईन के माध्यम से प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बढाने से देश भर के उन क्षेत्रो में एलपीजी की आपूर्ति किया जाना संभव होगा, जहां प्राकृतिक गैस पाईप लाईन नहीं है, वहां अतिरिक्त एलपीजी उपलब्ध हो सकेगी। उक्त आदेश की कंडिका 4 (घ) के प्रावधान अनुसार नगर देवास के जिन क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस पाईप लाईन (पीएनजी) उपलब्ध है, उस क्षेत्र के घरेलू गैस एलपीजी उपभोक्ताओं को आदेश के जारी होने की दिनांक से 03 माह की समय-सीमा में पीएनजी गैस कनेक्शन लेना होगा। उक्त आदेश के जारी होने की दिनांक से 03 माह की समय-सीमा के पश्चात् संबंधित क्षेत्र के निवासियों के पते पर एलपीजी की आपूर्ति बंद किये जाने का प्रावधान है।

उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र देवास में Gail Gas कंपनी द्वारा पीएनजी गैस वितरण नेटवर्क (पाईप लाईन) विस्तार का कार्य एवं पीएनजी गैस कनेक्शन उपभोक्ताओं की रसोई तक लगाने का कार्य किया जा रहा है। घरेलू पीएनजी गैस की दर 55.68/- रूपये प्रति किलोग्राम है, जबकि घरेलू एलपीजी गैस की दर 64.30/- रूपये प्रति किलोग्राम है।

जिला प्रशासन द्वारा समस्त देवास नगर वासियों के अनुरोध है कि, यदि उनके निवास स्थान के समीप पीएनजी गैस पाईप लाईन उपलब्ध है तो घरेलू पीएनजी कनेक्शन प्राप्त कर घरेलू गैस एलपीजी कनेक्शन को समर्पित कर दें ताकि, भविष्य में होने वाली असुविधा से बचा जा सकें।

'भविष्य से भेंट कार्यक्रम' के तहत नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चिमनाबाई पहुंचकर छात्राओं से की वार्ता

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जीवन में सफलता के लिये लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जरूरी है। केवल पढ़ाई से ही नहीं बल्कि खेलकूद भी जीवन का महत्वपूर्ण पहलू हैं। उक्त बातें नगर निगम आयुक्त् श्री दलीप कुमार ने शनिवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चिमनाबाई में स्कूल चलें हम अभियान के तहत भविष्य से भेंट कार्यक्रम में छात्राओं से चर्चा करते हुए कही। नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार ने छात्राओं से चर्चा करते हुए कहा कि स्कूल की पढ़ाई केवल जीवन को सफल बनाने के लिये नहीं, बल्कि एक अच्छा व्यक्तित्व निर्माण के लिये होती है। इस दौरान उन्होंने छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों को जवाब भी दिए तथा भविष्य में पढ़ाई की तैयारियों के संबंध में मार्गदर्शन दिया। छात्राओं द्वारा यूपीएससी, जेईई, नीट सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में प्रश्न पूछ, प्रश्नों का नगर निगम आयुक्त ने सकारात्मक उत्तर देकर छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने भविष्य से भेंट कार्यक्रम अंतर्गत 50 से अधिक अधिकारियों की जिले के विभिन्न स्कूलों में बच्चों से भेंट कर उनका मार्गदर्शन करने के लिए आदेश जारी किए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए मार्गदर्शन दिया।

नरवाई जलाने पर ग्राम देवली के किसान पर एफआईआर दर्ज

जिला प्रशासन की किसानों से अपील - नरवाई न जलाएं, वैकल्पिक साधन का उपयोग करें

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेशों तथा मध्य प्रदेश शासन द्वारा जारी निषेधात्मक निर्देशों का उल्लंघन करते हुए खेतों में गेहूँ की नरवाई (पराली) जलाने वालों पर जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने सख्त निर्देश दिए कि जिले में नरवाई जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित है, यदि कोई किसान (नरवाई) पराली जलाते पाया गया तो उसे पर 2500 से 15000 रुपए तक का अर्थ दंड एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा बरती जा रही सख्ती के तहत दिनांक 01 अप्रैल को कार्यवाही की गई है। विकासखंड टोंकखुर्द के ग्राम देवली में खेत में नरवाई जलाते पाए जाने पर संबंधित किसान के विरुद्ध थाना टोंकखुर्द में अपराध पंजीबद्ध कराया गया है।

प्राप्त जानकारी अनुसार, कृषि एवं राजस्व दल द्वारा क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम देवली रकबा 0.20 हेक्टेयर पर खेत में नरवाई जलाई जाना पाया गया। राजस्व अभिलेखों के अनुसार यह भूमि अखिलेश पिता सजन सिंह खाती के नाम दर्ज है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा जारी निषेधात्मक आदेशों और एनजीटी के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने पर, कृषि विस्तार अधिकारी टोंक खुर्द के प्रतिवेदन पर पुलिस थाना टोंकखुर्द ने अखिलेश पिता सजन सिंह खाती निवासी देवली के विरुद्ध धारा 223(a) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत मामला दर्ज किया है।

जिला प्रशासन ने बताया कि फसलों के अवशेष जलाना न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक है, बल्कि इससे मिट्टी की उर्वरक शक्ति भी नष्ट होती है। कृषि विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें लगातार क्षेत्रों का भ्रमण कर रही हैं। यदि कोई भी व्यक्ति नरवाई जलाते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही और जुर्माना सुनिश्चित किया जाएगा।

सैकड़ों भक्तों के आज खुलेंगे भाग्य, तीसरी निःशुल्क यात्रा होगी रवाना

कप्तान जनसेवा मंच के तत्वावधान में रवाना होगा 400 भक्तों का जत्था

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा....इन जयकारों के साथ आज सैकड़ों भक्त बाबा खाटू श्याम के दरबार के लिए रवाना होंगे, जिन्हें निःशुल्क दर्शन का लाभ मिलेगा। क्योंकि लगातार तीसरी बार कप्तान जनसेवा मंच द्वारा भक्तों को निःशुल्क यात्रा करवाई जाएगी। जो रविवार शाम 4 बजे रवाना होगी।

ऐसे लोग जो लंबे समय से बाबा खाटू श्याम के दर्शन करना चाहते हैं लेकिन आर्थिक या किसी अन्य समस्या के चलते वे बाबा के दर्शन नहीं कर पाते हैं उन्हें कप्तान जनसेवा मंच द्वारा दर्शनों का लाभ दिया जाता है। अब तक नरेश कप्तान द्वारा हजारों लोगों को दर्शन लाभ दिया जा चुका है और इस बार भी करीब 400 महिलाओं का जत्था इस यात्रा में शामिल हो रहा है। जो रविवार शाम 4 बजे इंदौर-कोटा ट्रेन से बाबा के दरबार के लिए रवाना होंगे। इन भक्तों के लिए कप्तान जनसेवा मंच द्वारा निःशुल्क भोजन व रहने तथा ठहरने की व्यवस्था की जाएगी। तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन भजन संध्या का आयोजन होगा। इसके बाद 7 अप्रैल को यात्रा का समापन होगा।

निशान यात्रा निकालकर दिया था निमंत्रण- अधिक से अधिक लोगों को बाबा खाटू श्याम के दर्शनो का लाभ मिले इसके लिए कप्तान जनसेवा मंच द्वारा 29 मार्च को निशान यात्रा निकाली जाकर लोगों को इसकी जानकारी दी गई थी। वहीं दो दिन पहले इसके लिए निमंत्रण पत्रों का वितरण भी नगरवासियों को किया गया था। जिसे लोगों ने स्वीकार करते हुए नरेश कप्तान व बंटी भावसार का आभार व्यक्त किया।

तीसरी बार मिल रहा लोगों को दर्शनो का लाभ- पिछले दो वर्षो से कप्तान जनसेवा मंच द्वारा लोगों को यात्रा करवाई जा रही है और निःशुल्क यात्रा का यह तीसरा वर्ष है। इस बार 400 महिलाओं को इस यात्रा का लाभ मिल रहा है। यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं ने बताया कि इस मंच के माध्यम से उनकी बाबा के दर्शनों की इच्छा पूरी हो रही है।

9 करोड़ की जिंदगी की जंगः इंदौर की नन्ही अनिका के लिए देवास में उमड़ा जनसैलाब, जन्मदिन पर भी जुटी मदद

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गंभीर बीमारी से जूझ रही इंदौर की मासूम अनिका शर्मा के लिए पूरा शहर और प्रदेश मानो एक परिवार बनकर खड़ा हो गया है। दुर्लभ बीमारी स्रूज्ञ4श्चद्द-2 से पीड़ित अनिका के इलाज के लिए करीब 9 करोड़ रुपये के महंगे इंजेक्शन की जरूरत है। राहत की बात यह है कि अब तक समाज के सहयोग से 6 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई जा चुकी है और मदद का सिलसिला लगातार जारी है।

अनिका की जिंदगी बचाने के इस अभियान में समाज के हर वर्ग ने दिल खोलकर सहयोग दिया है। इसी क्रम में समाजसेवी विजय कटेसरिया ने अपने जन्मदिन को उत्सव की बजाय सेवा का रूप देते हुए चामुंडा कॉम्प्लेक्स पर विशेष सहयोग मंच का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संस्था मानस के प्रमुख पत्रकार हेमंत शर्मा एवं उनकी टीम, संस्था हेल्पिंग हैंड, सोनू सूद फाउंडेशन से जुड़े शुभम विजयवर्गीय, टीम जितेंद्र सिंह गोड़, पत्रकार बाबू भाटिया सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

इसके अलावा संस्था श्री विश्व राजा एवं टीम मनोज श्रीवास्तव द्वारा भी महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

शहर ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में अनिका की मदद के लिए जन-अभियान चल पड़ा है। हर कोई अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देकर इस नन्ही जिंदगी को बचाने की मुहिम का हिस्सा बन रहा है।

अनिका के लिए उठ रहे हर कदम ने यह साबित कर दिया है कि जब बात इंसानियत की हो, तो समाज एकजुट होकर चमत्कार कर सकता है।

दिग्विजयसिंह झाला शहर उपाध्यक्ष नियुक्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संगठन प्रभारी संजय कामले एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की स्वीकृति से शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम ने दिग्विजयसिंह झाला को शहर कार्यकारिणी में शहर उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। झाला छात्र राजनीति से ही कांग्रेस पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाते रहे है, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष से लेकर युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है। संगठन ने उनके कार्य को देखते हुए इन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी है। झाला की नियुक्ति पर कुँवर गोपाल सिंह राठौड़ कांग्रेस जन एवं इष्ट मित्रों ने बधाई दी।

जयसवाल किराना महादेव नगर इटवा पर अवैध शराब जप्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर देवास को किसी छात्रा द्वारा दूरभाष पर अवैध मदिरा बिक्री के संबंध में अवगत कराया गया। कलेक्टर द्वारा तत्काल छात्रा की सूचना पर संज्ञान लेते हुए सहायक आबकारी आयुक्त देवास को बिक्री के संबंध में कार्रवाई किए जाने हेतु निर्देशित किया गया जिस पर आबकारी दल के प्रभारी अधिकारी निलेश पवार सहायक जिला आबकारी अधिकारी के द्वारा सूचना पर त्वरित गति से कार्रवाई करते हुए महादेव नगर, इटावा में जायसवाल किराना दुकान पर दबिश देकर 63 पाव देशी मदिरा जब्त कर मोहित जायसवाल पिता भारत जायसवाल निवासी इटावा के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम अंतर्गत प्रकरण कायम कर मौके से गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में मुख्य आबकारी आरक्षक दीपक धुरिया, आबकारी आरक्षक बालकृष्ण जायसवाल उपस्थित रहे।

देवास से मक्सी बायपास के बीच हुई ट्रक कटिंग की वारदात

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मक्सी थाना क्षेत्र में चलती ट्रक से माल चोरी का एक मामला सामने आया है। अज्ञात बदमाशों ने मक्सी बायपास के पास एक ट्रक की तिरपाल काटकर रिफाइंड सोयाबीन तेल के छह जार चुरा लिए। चोरी गए माल की कीमत हजारों रू. बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फरियादी ट्रक चालक इंदर सिंह निवासी ग्राम करवाखेड़ी जिला रतलाम ने बताया कि 3 अप्रैल को वह देवास स्थित कृति सोया कंपनी से टाटा 1112 ट्रक (एमपी 43 जेड 2271) में रिफाइंड सोयाबीन तेल के जार और बकेट लोड कर ताल की ओर जा रहे थे। दोपहर करीब 1.30 बजे माल भरने के बाद वे रवाना हुए। दोपहर करीब 2 बजे जब ट्रक मक्सी बायपास के सिरोलिया कट प्वाइंट के पास पहुंचा, तो पीछे आ रहे एक अन्य ट्रक चालक ने इंदर सिंह को इशारा किया। उसने बताया कि उनके ट्रक की तिरपाल कटी हुई है और अंदर रखा कुछ माल दिखाई नहीं दे रहा है।

27 को गौ माता के सम्मान में निकलेगी भव्य यात्रा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एबी रोड स्थित बाबा मंगलनाथ मंदिर प्रांगण में शनिवार को गौ सम्मान आव्हान अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कार्ययोजना बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 27 अप्रैल को निकलने वाली भव्य यात्रा को लेकर चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि शाजापुर तहसील में दिनांक 27 अप्रैल को गौमाता सम्मान दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर सभी गौभक्त मां राजराजेश्वरी मंदिर प्रांगण में एकत्रित होंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 11 बजे संकीर्तन के साथ एक भव्य यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा मां राजराजेश्वरी मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर ट्रैफिक पाइंट, फव्वारा चौराहा, बस स्टैंड, गड्डा बस स्टैंड होते हुए पुनः मंदिर प्रांगण पहुंचेगी। इसके बाद महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं प्रदेश के मुखिया के नाम चार प्रार्थना पत्र सौंपे जाएंगे। जिसमें गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिए जाने, गौमाता संरक्षण हेतु सख्त केंद्रीय कानून बनाए जाने सहित विभिन्न मांगे रखी जाएंगी। इस बैठक में ग्राम बेरछा, बरवाल, पनवाड़ी, आक्या चौहानी, अलाउमरोद, सापखेड़ा, शाजापुर एवं झोंकर सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए गौसेवकों ने हस्ताक्षर अभियान प्रारंभ करने का संकल्प लिया।

सूरज जैसे चमकना है, तो उसके जैसा जलना होगा- कलेक्टर

स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत कलेक्टर सिंह ने शासकीय सांदीपनि स्कूल बालगढ़ पहुंचकर विद्यार्थियों से की वार्ता

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्कूल चले हम अभियान के तहत भविष्य से भेंट कार्यक्रम मध्य प्रदेश सरकार की एक बेहतरीन पहल है। यह प्रवेशोत्सव-2026 का हिस्सा है, जो 1 से 4 अप्रैल 2026 तक पूरे प्रदेश के 92 हजार से ज्यादा सरकारी स्कूलों में चल रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य हर बच्चे को स्कूल से जोड़ना, ड्रॉपआउट रोकना, छात्रों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना, उनका मार्गदर्शन करना हैं। इसी अभियान के तहत कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने सांदीपनि विद्यालय, बालगढ़ पहुंच कर छात्र-छात्राओं से भविष्य से भेंट कार्यक्रम अंतर्गत वार्ता की। कार्यक्रम में सभी छात्रों द्वारा अपनी जिज्ञासा अनुरूप प्रश्न पूछे गए, जिसका कलेक्टर सिंह द्वारा सकारात्मक समाधान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर सिंह ने बच्चों के सवालों के जवाब देते हुए कहा यह इंटरनेट और ए.आई. का समय है आज कोई भी इनफॉरमेशन हमें बहुत शीघ्र प्राप्त हो जाती है परंतु पहले इन सुविधाओं का अभाव था कोई भी जानकारी प्राप्त करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती थी। आप सभी इन सुविधाओं एवं नई-नई तकनीकियों का सकारात्मक उपयोग कर भविष्य में आगे बढ़े।

कलेक्टर सिंह ने कहा की जीवन में यदि सफल होना है तो असफलता से नहीं डरना चाहिए। असफलता, सफलता की प्रथम सीढ़ी है। हमें असफलता के कारण का मंथन करना चाहिए एवं उससे सीख लेकर उस पर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में हमें एक लक्ष्य निश्चित करना चाहिए एवं उस लक्ष्य के प्रति दृढ़ निश्चय होकर कड़ी मेहनत करना चाहिए। आपकी दृढ़ शक्ति और दृढ़ निश्चय ही आपको आपके सपने तक पहुंचता है। उन्होंने कहा कि यदि सूरज जैसे चमकना है, तो उसके जैसा जलना होगा अर्थात जीवन में सफल होना है तो दृढ़ संकल्प के साथ कड़ी मेहनत करनी होगी।

कलेक्टर सिंह ने छात्रों से संवाद में भविष्य में क्या बनना चाहते हैं पूछा एवं उनकी इच्छा अनुरूप उन्हें मार्गदर्शन भी प्रदान किया। उन्होंने कहा सभी छात्र अच्छे से पढ़ाई कर उच्च शिक्षा के लिए देश के उच्चतम संस्थानों में पढ़ाई करने का लक्ष्य बनाएं। उन्होंने बताया कि उच्चतम संस्थानों में पढ़ाई का स्तर बहुत अच्छा रहता है, जिससे आप जीवन में बहुत अच्छे स्थानों पर पहुंच कर अपने माता-पिता एवं देश का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस सत्र में शीघ्र ही नवीन भवन बनकर तैयार हो जाएगा और आप सभी उसमें प्रवेश कर पढ़ाई प्रारंभ कर सकेंगे।

इस दौरान कलेक्टर सिंह ने यूपीएससी की पढ़ाई के समय का अनुभव भी साझा किया। उन्होंने बताया की यूपीएससी क्रैक कर प्रशासनिक जॉब करना उनका सपना था। जिसके लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की और पहले ही बार में यूपीएससी पास की। उन्होंने बताया कि यूपीएससी कोई भी व्यक्ति पास कर सकता है जिसके लिए उसे कड़ी मेहनत, एकाग्रता और दृढ़ संकल्प के साथ तैयारी करना होगी। उन्होंने यूपीएससी के इंटरव्यू का प्रसंग सुनते हुए छात्रों को कहा कि जीवन में दबाव में आकर कोई भी गलत निर्णय नहीं लेना चाहिए हमें मेंटली स्ट्रांग बनना चाहिए।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गीत से हुआ एवं विद्यालय के प्राचार्य देवेंद्र बंसल द्वारा स्कूल की कार्यप्रणाली एवं नवाचारिक कार्यों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में कलेक्टर सिंह ने छात्रों को निःशुल्क पुस्तकें एवं गणवेश भी प्रदान की एवं परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन माता-पिता को स्मरण करते हुए प्रेरणा गीत के साथ हुआ।

इस दौरान कलेक्टर सिंह ने निर्माणधीन नवीन सांदीपनि विद्यालय बालगढ़ का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लेआउट के माध्यम से विद्यालय निर्माण की रूपरेखा समझ कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस अवसर पर डी.पी.सी. अजय मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी हरि सिंह भारती, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

राम मंदिर आंदोलन के नायक स्व. टेलर की मनाई पंचम पुण्यतिथि, सेवा कार्यों के माध्यम से दी श्रद्धांजलि

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। 90 के दशक में जब राम मंदिर आंदोलन अपने चरम पर था। तब शाजापुर जिले की हर गली और हर गांव में जिस शख्स ने बजरंग दल की अलख जगाई वे थे स्व. हेमंत टेलर। शनिवार को उनकी पांचवी पुण्यतिथि पर परिजनों, मित्रजनों और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया। इस मौके पर नर सेवा ही नारायण सेवा के संकल्प के साथ नगर के विभिन्न स्थानों पर सेवा कार्य आयोजित किए गए।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने स्व. श्री टेलर के संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला। बताया गया कि किस प्रकार उन्होंने अपने व्यवसाय और सुख-सुविधाओं की चिंता किए बिना दिन-रात जिले के हर प्रखंड में बजरंग दल का विस्तार किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नपा उपाध्यक्ष पं. संतोष जोशी ने कहा कि हेमंत जी न केवल मेरे परम मित्र थे, बल्कि उनमें संगठन की अपार क्षमता थी। उनके एक आह्वान पर हजारों रामभक्त एकत्रित हो जाते थे। आज उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए उनका परिवार और पुत्र श्याम टेलर समाज सेवा की इस मशाल को आगे बढ़ा रहे हैं।

दिनभर जारी रहा सेवा कार्य- पुण्यतिथि के अवसर पर टेलर परिवार और हरसिद्धि भक्त मंडल द्वारा सेवा संकल्प के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। अखंड आश्रम में प्रातः 11.30 बजे नाग-नागिन रोड स्थित अखंड आश्रम में निशक्तजनों और निराश्रितों को सम्मानपूर्वक भोजन कराया गया। इसके बाद अयोध्या बस्ती में बच्चों के बीच शिक्षा संबंधी सामग्री का वितरण किया गया, ताकि शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़े। इसके बाद वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को दैनिक उपयोग की सामग्री, वस्त्र, जूते-चप्पल और फल वितरित कर उनका आशीर्वाद लिया गया। इस अवसर पर स्व. श्री टेलर के भाई उमेश टेलर, पुत्र श्याम टेलर, आशुतोष टेलर, भूपेंद्र मेढ़ा, महेश भावसार, प्रशांत चौहान, अशोक पांचाल, आकाश शर्मा, दीपक राठौड़, हरसिद्धि भक्त मंडल के सदस्य व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विश्वरूप बालाजी के रूप में दर्शन दे रहे बाबा हनुमान, जहाँ धर्म और जाति की दीवारें हो जाती हैं बौनी

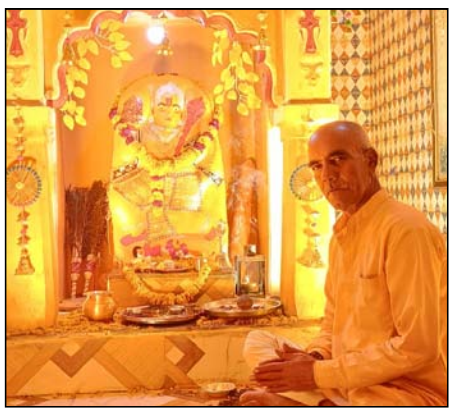

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जहाँ आज के दौर में दूरियाँ बढ़ रही हैं, वहीं अतिप्राचीन विश्वरूप बालाजी मंदिर से निकलने वाली भक्ति की खुशबू समाज को एकता के सूत्र में पिरो रही है। सैकड़ों वर्षों से जारी सेवा और परंपरा का यह केंद्र आज न केवल श्रद्धा का सैलाब है, बल्कि गंगा-जमुनी तहजीब का जीवंत उदाहरण भी है। उज्जैन जिले के फतेहाबाद में 16वीं पीढ़ी के वर्तमान में पंडित पुरुषोत्तम पंचोली (16वीं पीढ़ी) द्वारा हनुमान जी की सेवा और अर्चना का कार्य बखूबी संभाला जा रहा है। सैकड़ों वर्षों से एक ही परिवार द्वारा निस्वार्थ भाव से की जा रही यह सेवा क्षेत्र में चर्चा का विषय रहती है। हनुमान जयंती के अवसर पर इस वर्ष बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया था। फूल बंगले कि आकर्षण रोशनी से सजाया गया था। अद्भुत श्रृंगार और महाआरती का आयोजन हाल ही में मंदिर परिसर में विशेष श्रृंगार और भव्य महाआरती का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर- प्रसादी वितरण- सैकड़ो श्रद्धालुओं ने बाबा का आशीर्वाद प्राप्त कर प्रसाद ग्रहण किया।

ग्रामीणों की सहभागिता- आयोजन में न केवल फतेहाबाद, बल्कि आसपास के दर्जनों गांवों से ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

भक्तिमय वातावरण- बाबा के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। जहाँ भेद नहीं, सिर्फ भाव है विश्वरूप बालाजी मंदिर की चौखट पर आकर हर इंसान बराबर हो जाता है।

यहाँ- न जाति भेद है, न धर्म भेद। न लिंग का कोई अंतर है। श्रद्धालुओं का मानना है कि बाबा के दरबार में जो भी सच्चे मन से आता है, उसकी झोली खाली नहीं रहती मंदिर के ठीक पीछे स्थित मस्जिद इस बात का प्रमाण है कि भारत की मूल आत्मा प्रेम और सह-अस्तित्व में बसी है। वर्षों से यहाँ मंदिर की घंटियाँ और मस्जिद की अज़ान एक साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का संदेश देती आ रही हैं। विश्वरूप बालाजी का यह स्थान सदियों से हमें यही सिखाता है कि मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं। यहाँ आने वाला हर भक्त शांति और प्रेम का प्रसाद लेकर जाता है।

— पंडित पुरुषोत्तम पंचोली

पुलिस की तत्परताः चांदी के आभूषण बरामद करने पर सराफा एसोसिएशन ने थाना प्रभारी का किया सम्मान

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के सराफा व्यापारी प्रकाशचंद्र गांधी के यहाँ हुई चोरी का खुलासा करने और शत-प्रतिशत माल बरामद करने पर शनिवार को सराफा एसोसिएशन नागदा द्वारा पुलिस टीम का भव्य स्वागत किया गया। एसोसिएशन के सदस्यों ने थाना परिसर पहुँचकर थाना प्रभारी अमृतलाल गवरी एवं उनकी टीम को पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया और उनकी कार्यप्रणाली की सराहना की।

क्या था मामला- विगत दिनों सराफा व्यापारी प्रकाशचंद्र गांधी के यहाँ दिन-दहाड़े चोरी की एक बड़ी वारदात हुई थी, जिसमें 4 लाख 60 हजार रुपये मूल्य के चांदी के आभूषण चोरी हो गए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस थाना नागदा ने विशेष टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई की। पुलिस के प्रयासों के चलते न केवल आरोपी को गिरफ्तार किया गया, बल्कि चोरी गया पूरा माल भी बरामद कर लिया गया।

सम्मान के दौरान ये रहे उपस्थित- इस अवसर पर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र राठी, सचिव रवि हिंगड़, कमलेश नागदा, झमक राठी, प्रकाश सोनी, अंकित सोनी, रितेश नागदा, सोनू वागरेचा, योगेश सोनी, दीपक सोनी, दीपक सोनी (रामपुरावाला), बादल सोनी, रवि सोनी सहित अन्य सराफा व्यापारी उपस्थित रहे।

सेन जयंती महोत्सव 13 एवं 14 अप्रैल को, प्रतिभा छात्र सम्मान समारोह आयोजित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला सेन समाज एवं युवा सेन समाज संगठन नीमच के तत्वाधान में 13 एवं 14 अप्रैल को सेन जयंती महोत्सव पर सेन समाज के आराध्य देव श्री सेन जी महाराज का जन्मोत्सव दो दिवसीय आयोजनों के साथ मनाया जाएगा । सेन जयंती महोत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रेश सेन, जिला सेन समाज अध्यक्ष सुखलाल सेन, युवा अध्यक्ष चमन सेन ने बताया कि प्रथम दिवस 13 अप्रैल 2026 सोमवार को जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है जिसमें सेन समाज के सभी तहसीलों की क्रिकेट टीम में भाग लेगी ।प्रतियोगिता के प्रभारी संजय गहलोत कनावटी को बनाए गये है ।नारी शक्ति हेतु खेल प्रतियोगिता रखी गई है जिसमें महिला एवं युवतीया भाग लेगी ।प्रतियोगिता की प्रभारी कृतीबाला गहलोत बनाई गई है ।दिनांक 14 अप्रैल 2026 मंगलवार को वाहन रैली प्रातः 8:00 बजे नारायणी माता से प्रारंभ होगी जिसका समापन सेन वाटिका पर होगा ।वाहन रैली प्रभारी चमन सेन,भंवरलाल सेन,मनीष सेन बनाए गए ।इस अवसर पर शाम 4:00 प्रतिभा छात्र सम्मान समारोह स्व.मदन लाल जी भाटी की स्मृति में रमेश जी भाटी द्वारा पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे ।प्रतिभा छात्र सम्मान समारोह मे 10 वी एव 12वीं,और स्नातक मे 75%अंक प्राप्त करने वाले सेन छात्राओं एव वर्ष 2025 में शासकीय नौकरी एवं विशेष सम्मान पाने वाले समाज बंधुओ का सम्मान किया जाएगा ।अपनी अंकसूची की फोटोकॉपी एवं अपनी जानकारी महेंद्र चौहान मो.9754941799,बाबूलाल देवड़ा मो.9926324975एवं जिला कार्यालय 37 दयानंद मार्ग नीमच एवन हेयर ड्रेसर्स स्वर्णकार धर्मशाला नीमच एवं सभी तहसील अध्यक्षों को 8 अप्रैल तक दे सकते हैं ।विशाल भजन संध्या 14 अप्रैल को शाम 6:00 बजे सेन वाटिका नीमच पर रखी गई है जिसके प्रभारी राजेश सेन शिव चांगल बनाए गए ।14 अप्रैल शाम 6:30 बजे महा प्रसादी सेन वाटिका नीमच पर रखी गई ।जिसके प्रभारी ओम चांगल विनोद सेन बनाए गए । सेन जयंती महोत्सव के अवसर पर 13 एवं 14 अप्रैल को सेन बंधु अपने प्रतिष्ठान बंद रखें ।एवं समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करें ।

श्री मद् भागवत के समापन पर निकाला भव्य चल समारोह

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री सांवरिया सेठ जनकल्याण सेवा संस्था समिति उन्हेल द्वारा आयोजित 52 कन्याओं के निःशुल्क विवाह व संगीतमय श्री मद भागवत कथा का समापन हुआ। इसके पूर्व कथा वाचक पंडित भीमाशंकर शास्त्री का बालू खींची बंजारा परिवार द्वारा चांदी की गदा भेंट कर सम्मान किया। इसके बाद समापन अवसर पर नगर में चल समारोह निकाला गया।

जिसमें हजारों की संख्या में मातृ शक्ति, युवा भजनों की धुन पर नृत्य करते निकले। चल समारोह का नगर में जगह जगह मंच बना कर आयोजकर्ता बालु खिंची, कमल खिंची, नारद खिंची व भगवाताचर्य का स्वागत सत्कार कर पुष्प वर्षा कि। चल समारोह में भस्म रमैया भक्त मंडल उज्जैन व हनुमान रुप में पहुंचे व्यक्ति आकर्षण का केंद्र रहे। चल समारोह में गौ लौक धाम के पंडित शिव शर्मा, कार्यक्रम संयोजक जिला पंचायत सदस्य बालू खींची, पूर्व राज्य मंत्री बाबूलाल सुरावत,विधायक दिनेश जैन, जिला पंचायत सदस्य सागर कछावा, मनोज गरासिया, राहुल मोड़ावत,पूर्व जिलाध्यक्ष बहादुरसिंह बोरमुंडला, श्याम बंसल,भाजपा मंडल अध्यक्ष, राजकुमार जैन, नगर परिषद अध्यक्ष शांतिलाल हलकारा, उपाध्यक्ष अखिलेश उपाध्याय,भेरूलाल टांक, देवेंद्र गुप्ता,नंदराम धाकड़, दिलीप मोदी, दिलीप मेहता कैलाश विपट, द्वारका सोनी, अविनाश विपट, रामलाल नांदेड़ा, योगेश भट्ट दिनेश सांखला,गोपाल धाकड़, ओमप्रकाश परमार,बाबूलाल ख़मोरिया,श्यामलाल मोड़ावत, कैलाश मोड़ावत, ईश्वर गरासिया, किशन चंदेल,संजय दायमा,मनोज मोदी, बद्रीलाल पोरवाल, हीरालाल आंजना, सूरज गौड, तेजुलाल जटिया, करणसिंह गुर्जर,श्रवणसिंह, कमल आंजना, दशरथ सिंह, श्याम मालवीय, महेश परमार, बंशी गंधर्व, एडवोकेट तूफान सिंह बंजारा, छोटेलाल मंडलोई, राहुल दायमा, तूफानसिंह,बंजारा दर्पण टीम , अखिल भारतीय रूपसिंह सेना संगठन टीम, के सदस्य विशेष रूप से मौजूद रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग करते वाली समस्त देव तुल्य जनता जनार्दन का नारद खींची ने आभार माना । चल समारोह समापन के पश्चात नगर भोज का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन ने प्रसादी ग्रहण की।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकारियों ने ली बच्चों की क्लास

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार स्कूल चले हम अभियान एवं भविष्य से भेंट कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के सभी अधिकारियों ने अलग-अलग शासकीय स्कूलों में पहुंचकर बच्चों की क्लास ली और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया। इस दौरान अधिकारियों ने विद्यार्थियों को अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन एवं नियमित अध्ययन के महत्व के बारे में बताया। अधिकारियों ने बच्चों को बताया कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर बच्चों को उच्च शिक्षा एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूक भी किया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत जिले में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और ड्रॉपआउट दर को कम करने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रशासन के दल ने समझाईश देकर रामदेव नगर में 17 वर्षीय बालिका का बाल विवाह रुकवाया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में नीमच जिले में बाल विवाह रोकथाम एवं जागरूकता हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे है। इसके तहत जावद क्षेत्र के गांव रामदेव नगर में एक बाल विवाह को रुकवाया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने बताया कि सूचना प्राप्त हुई कि विकासखंड जावद के ग्राम रामदेवनगर में 17 वर्षीय बालिका का विवाह 7 अप्रैल को होने वाला है। बारात मंदसौर जिले से आएगी। सूचना प्राप्ति पर परियोजना अधिकारी जावद श्रीमती आभा पाटीदार ने संपूर्ण जानकारी की तस्दीक की गई और सूचना सही पाएं जाने पर प्रशासन व पुलिस के संयुक्त दल द्वारा बालिका के घर जाकर ,परिवार को समझाया गया। समझाईश के आधार पर बालिका के पिता व परिवार द्वारा लिखित में दिया गया,कि वे बालिका सोना(परिवर्तित नाम) का विवाह 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर ही करेंगे और यदि उसके पूर्व विवाह किया जाता है,तो किसी भी प्रकार की वैधानिक कार्यवाही उनके विरुद्ध की जा सकेगी। प्रशासन एवं पुलिस की तत्परता से एक बाल विवाह की रोकथाम की जा सकी है।

दहेज की रूढ़िवादी बेड़ियाँ तोड़ेगा क्षत्रिय समाज

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाज में व्याप्त दहेज जैसी रूढ़िवादी परंपराओं की बेड़ियां तोड़ने और नारी शक्ति को सशक्त बनाने के संकल्प के साथ दहेज विरोधी क्षत्रिय संगठन मध्यप्रदेश द्वारा रविवार को एक विशाल आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के पूर्व शनिवार को संस्था के पदाधिकारियों ने प्रेस वार्ता कर कार्यक्रम के उद्देश्यों और रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए संस्था के संस्थापक महेंद्र सिंह और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विरेन्द्र सिंह ने कहा कि दहेज एक ऐसी सामाजिक बुराई है जो परिवार और समाज की जड़ों को खोखला कर रही है। संस्था इस रूढ़िवादी प्रथा को समाप्त करने के लिए निरंतर जन जागरण अभियान चला रही है, जिसे समाज के हर वर्ग का व्यापक समर्थन प्राप्त हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज को इस कुप्रथा से मुक्त करना ही संस्था का मुख्य ध्येय है।

संगठन द्वारा नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक अनूठा कदम उठाया गया है। पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था समाज की बेटियों और महिलाओं को शस्त्र प्रशिक्षण दे रही है। इसका उद्देश्य नारी शक्ति को इतना सक्षम बनाना है कि वे न केवल अपनी, बल्कि दूसरों की आत्मरक्षा करने में भी निपुण हो सकें। समाज में आत्मविश्वास जगाने की यह पहल चर्चा का विषय बनी हुई है।

रविवार को बदनावर के संजोग गार्डन में आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम में देश की सीमा पर सेवा देने वाले समाज के जांबाज सैनिकों और शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के साथ समाज को गौरवान्वित करने वाले व्यक्तियों का मंच पर सम्मान किया किया जाएगा। वही समाज के युवक-युवतियों के लिए सुयोग्य रिश्ते चुनने हेतु एक परिचय सम्मेलन का भी आयोजन रखा गया है, ताकि बिना किसी दिखावे और दहेज के रिश्तों की बुनियाद रखी जा सके। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के साथ-साथ अन्य प्रांतों से भी समाज के कई विशिष्ट और प्रबुद्ध व्यक्ति शिरकत करेंगे।

संस्था की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रेस वार्ता में राजेंद्र सिंह पंवार, पोपसिंह राठौर एवं इंद्रजीत सिंह राठौर सहित संगठन के अन्य सक्रिय सदस्य उपस्थित थे। पदाधिकारियों ने क्षेत्र के समस्त समाज बंधुओं से इस आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

सिंगोली में भव्य शोभायात्रा के साथ जन्म कल्याणक महोत्सव सम्पन्न

राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर व मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा हुए शामिल

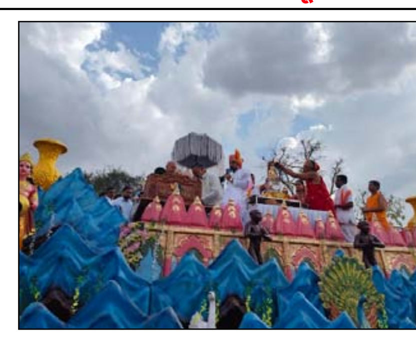

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेवाड़ अंचल की धर्मनगरी सिंगोली में आयोजित छः दिवसीय पंचकल्याणक महोत्सव के तृतीय दिवस जन्म कल्याणक महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर में भव्य एवं ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

पंचकल्याणक स्थल से प्रारंभ हुई शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकली। शोभायात्रा में हाथी-घोड़े, बग्गियां, बैंड-बाजे एवं विभिन्न वाद्य यंत्रों के साथ भक्ति गीतों की स्वर लहरियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इंद्र-इंद्राणी एवं कुबेर के स्वरूपों द्वारा भगवान को आकर्षक रथ में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया।

महोत्सव के दौरान सुमेरु पर्वत स्वरूप पांडुक शिला पर 1008 कलशों से भगवान का अभिषेक किया गया। नृत्य-गायन एवं विधि-विधान के साथ जन्मोत्सव मनाते हुए भक्तों ने तीर्थंकर बालक के जन्म की हर्षोल्लासपूर्वक वंदना की।

मुनिराज के सानिध्य में हुआ आयोजन- अर्हम योग प्रणेता मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में प्रातःकाल जाप, आराधना, मंगलाष्टक, अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्य पूजन संपन्न हुए। मुनिश्री ने अपने प्रवचन में तीर्थंकर जन्म कल्याणक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अहिंसा और जियो और जीने दो का संदेश दिया।

ऐतिहासिक रथयात्रा बनी आकर्षण का केंद्र- भगवान को आकर्षक रथों में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया, जो शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण रहा। श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा और पूरे नगर में धर्ममय वातावरण बना रहा।

गणमान्य अतिथियों की रही उपस्थिति- इस अवसर पर राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर तथा मध्यप्रदेश के पूर्व केबिनेट मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश सखलेचा विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने धर्मसभा को संबोधित कर जैन धर्म के सिद्धांतों की सराहना की तथा मुनि श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों सहित विभिन्न समाजों एवं क्षेत्रीय संगठनों का भी सराहनीय सहयोग रहा। संध्या काल में भव्य मंगल आरती, सौधर्म सभा एवं आनंद उत्सव (तांडव नृत्य) के साथ तीर्थंकर बालक का पालना झुलाया गया।

आदिनाथ नूतन जिनालय प्रतिष्ठा महोत्सव 8 मई को, नगर में उत्साह का माहौल

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के अतिप्राचीन श्री आदिनाथ जिन मंदिर में नूतन जिनालय की प्रतिष्ठा आगामी 8 मई को भव्य रूप से सम्पन्न होगी। इस शुभ अवसर को लेकर पूरे नगर में धार्मिक उल्लास और तैयारियों का माहौल है।

प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त प्राप्त करने हेतु श्री संघ के सदस्य आचार्य श्री नित्यसेन सुरीश्वर जी महाराज से मिलने श्री मोहनखेड़ा तीर्थ (म्यूजियम) पहुंचे थे। श्री संघ एवं मंदिर के लाभार्थी वाली बाई अशोक जी छाजेड़ परिवार (पारा) की भावना अनुसार आचार्य श्री ने 8 मई का मंगलमय मुहूर्त प्रदान किया।

यह भव्य प्रतिष्ठा महोत्सव 6 मई से प्रारंभ होकर 8 मई तक विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ सम्पन्न होगा। इस दौरान आचार्य श्री के सान्निध्य में साधु-साध्वी मंडल का भी पावन आगमन होगा, जिससे आयोजन की गरिमा और बढ़ेगी।

महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से श्री संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक संघ अध्यक्ष महेश सकलेचा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने तन, मन और धन से आयोजन को सफल एवं यादगार बनाने का संकल्प लिया।

रजत सांड ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन की सुव्यवस्थित व्यवस्था हेतु सभी सदस्यों के बीच विभिन्न जिम्मेदारियों का बंटवारा किया गया है। साथ ही, समाजजन ने यह भी निर्णय लिया है कि प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान अपने व्यापार-व्यवसाय पूर्णतः बंद रखकर धर्मलाभ अर्जित करेंगे।

नगर में होने वाला यह प्रतिष्ठा महोत्सव न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि सामाजिक एकता और समर्पण का भी अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

एक भारत श्रेष्ठ भारतः सांदीपनि विद्यालय सिंगोली के छात्र आजम ने किया नागालैंड का सफल भ्रमण

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार की एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम में नीमच जिले का गौरव बढ़ाते हुए सांदीपनि विद्यालय सिंगोली के छात्र आजम पिता मोहम्मद इरफान ने नागालैंड की एक अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक यात्रा पूर्ण की। इस विशेष दल में मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिले से चयनित एक बालक एवं एक बालिका के समूह को शामिल किया गया था।

यात्रा का पड़ाव- ट्रेन से हवाई सफर तक- छात्र आजम अहमद ने बताया कि उनकी यह यात्रा नीमच से भोपाल और फिर भोपाल से वंदे भारत एक्सप्रेस द्वारा दिल्ली पहुँचने के साथ शुरू हुई। दिल्ली प्रवास के दौरान उन्होंने इंडिया गेट और दिल्ली वॉर सेमेट्री का भ्रमण किया। आजम के अनुसार, वीर शहीदों के बलिदान की गाथाएं सुनकर हमारे भीतर देशभक्ति की भावना और भी प्रबल हो गई।÷ इसके पश्चात दल ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से दीमापुर (नागालैंड) के लिए उड़ान भरी।

सांस्कृतिक वैभव और स्वच्छता की मिसाल- यात्रा के मुख्य आकर्षणों का वर्णन करते हुए आजम ने बताया कि उन्होंने नागालैंड के प्रसिद्ध हॉर्नबिल फेस्टिवल विलेज और कोहिमा के आसपास के गांवों का दौरा किया। उन्होंने वहां की समृद्ध संस्कृति, पारंपरिक वेशभूषा और लोक नृत्यों को करीब से देखा।

कार्यकर्ताओं की एकता ही संगठन की प्रगति का आधार : विधायक दिलीप सिंह परिहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिगंबर जैन मांगलिक भवन सभागार में भारतीय जनता पार्टी, नीमच के तत्वावधान में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल द्वारा प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत मंडल प्रशिक्षण कार्यशाला एवं क्षेत्रीय विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में विधायक दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता से ही संगठन मजबूत होता है और मजबूत संगठन से ही जनाधार बढ़ता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की एकता संगठन की प्रगति का प्रमुख आधार है। बिना एकता के न तो संगठन आगे बढ़ सकता है और न ही राष्ट्र का समुचित विकास संभव है।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के परिश्रम से ही पार्टी को मतदान केंद्र स्तर पर विजय मिलती है, जो अंततः प्रत्याशी की जीत और संगठन की मजबूती का मार्ग प्रशस्त करती है। भाजपा एकात्म मानववाद के सिद्धांत पर कार्य करते हुए अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

वरिष्ठ भाजपा नेता महेंद्र भटनागर ने कहा कि कार्यकर्ताओं को एक सूत्र में बांधना पार्टी की प्राथमिकता है।

'सेवा ही साधनाः नर्मदा तट पर जागृत हुआ जनचेतना का दीप'

गुंजारी संगम बना आस्था, श्रम और संकल्प का जीवंत प्रतीक

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधनी की पावन धरा पर स्थित गुंजारी नर्मदा संगम घाट आज पुनः उस दिव्य अनुभूति का साक्षी बना, जहां श्रद्धा और सेवा एकाकार होकर जनचेतना का नया इतिहास रचती दिखाई दी। मां नर्मदा की शांत, कल-कल बहती धारा के सान्निध्य में जब जनप्रतिनिधि, संत और आमजन एक साथ श्रमदान में जुटे, तो वह दृश्य केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक जागरण का सजीव प्रतीक बन गया।

प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग के माननीय मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल का यह पुनः आगमन केवल औपचारिक निरीक्षण तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने स्वयं श्रमदान कर यह स्पष्ट किया कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो अपने आचरण से प्रेरणा देता है। उनके द्वारा किया गया श्रमदान जनसामान्य के लिए एक सशक्त संदेश बनकर उभरा।

इस पावन अवसर पर नर्मदा परिक्रमा के तपस्वी, पूज्य दादा गुरु जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण कर दिया। चार बार नर्मदा परिक्रमा पूर्ण कर चुके और केवल नर्मदा जल का सेवन करने वाले संत का संगम पर आगमन मानो स्वयं मां नर्मदा का आशीर्वाद प्रतीत हुआ।

दादा गुरु जी महाराज ने संगम के समग्र विकास पर अपने विचार व्यक्त करते हुए इसे केवल एक भौतिक स्थल नहीं, बल्कि साधना, आत्मशुद्धि और आंतरिक जागरण का केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि नदियां केवल जलधाराएं नहीं, बल्कि जीवन की आधारशिला हैं, जिनकी पवित्रता बनाए रखना हम सभी का धर्म है।

साथ ही उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश सरकार, मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं जनभागीदारी के संयुक्त प्रयासों से इस प्राचीन धरोहर को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जो वर्षों से उपेक्षित एवं आच्छादित रही थी। आज उसी प्राचीन घाट पर जिस प्रकार स्वच्छता और विकास के कार्य गति पकड़ रहे हैं, वह वास्तव में अनुकरणीय है और अन्य स्थानों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

मंत्री श्री पटेल ने भी स्पष्ट रूप से कहा कि नदियों का संरक्षण केवल शासन का दायित्व नहीं, बल्कि समाज की सामू चेतना का दर्पण है।

जिला शिक्षा अधिकारी का आकस्मिक निरीक्षण

कक्षा 9वीं-10वीं को पाठ्यपुस्तक वितरण व करियर मार्गदर्शन कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाओं के निर्देश

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला शिक्षा अधिकारी श्री शैलेन्द्र कानूडे द्वारा शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महेश्वर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों का वितरण प्राचार्य श्री गुप्ता, श्री दीनानाथ यादव एवं समस्त स्टाफ की उपस्थिति में किया गया।

निरीक्षण के समय कक्षाओं का अवलोकन किया गया तथा विद्यार्थियों को करियर गाइडेंस की जानकारी दी गई। कक्षा 9वीं व 10वीं के छात्रों को गणित, विज्ञान एवं अंग्रेज़ी के पुराने प्रश्न पत्र हल करने, अंग्रेज़ी ग्रामर की विस्तृत समझ विकसित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही विद्यार्थियों की भाषा दक्षता बढ़ाने के लिए स्पोकन इंग्लिश कक्षाएं संचालित करने के लिए प्राचार्य को निर्देशित किया गया।

एवं श्र ग्रेड के कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं लगाने, कक्षा 8वीं उत्तीर्ण कमजोर छात्रों के लिए ब्रिज कोर्स के अंतर्गत प्री-टेस्ट एवं रेमेडियल कक्षाएं आयोजित करने के निर्देश दिए गए। छात्राओं को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं साइकिल वितरण जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सुनिश्चित करने कहा गया।

जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यार्थियों को प्रारंभ से ही शैक्षणिक प्लान बनाकर तैयारी करने, शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी लेने तथा नियमित उपस्थिति बनाए रखने का संदेश दिया। विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति संतोषजनक पाई गई। अच्छे परिणामों के लिए प्राचार्य एवं स्टाफ को बधाई देते हुए शेष अपूर्ण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त शाला त्यागी/प्रवेशी बच्चों को शीघ्र विद्यालय में प्रवेश देने तथा 14-15 आयु वर्ग की शेष बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश भी जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रदान किए गए।

रबी विपणन मौसम 2026-27 की तैयारी में तकनीक, प्रबंधन और महिला सशक्तिकरण का समन्वय

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। रबी विपणन मौसम 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूँ उपार्जन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में जिला पंचायत सभागार, विदिशा में स्व सहायता समूहों एवं ग्राम संगठनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम नवाचारों के साथ आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में आज जिला पंचायत के सभागार में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण में जिले के 25 स्व सहायता समूह, ग्राम संगठन, संकुल स्तरीय संगठन तथा मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के विकासखण्ड एवं सहायक विकासखण्ड प्रबंधकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागोंकृसहकारी बैंक, वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन, जिला खाद्य आपूर्ति एवं विपणन विभागकृके अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रही।

इस बार प्रशिक्षण में पारंपरिक तरीकों के साथ कई नवाचारों को शामिल किया गया। उपार्जन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए डिजिटल पंजीयन, ऑनलाइन डेटा एंट्री, इलेक्ट्रॉनिक तौल प्रणाली तथा गुणवत्ता परीक्षण के आधुनिक तरीकों पर विशेष फोकस किया गया। इससे किसानों को समयबद्ध भुगतान और सही मूल्य सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

मंत्री श्री पटेल ने नर्मदा गुंजारी घाट पर किया श्रमदान

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बुधनी जनपद के ग्राम जोशीपुर में गुंजारी नर्मदा संगम घाट पर चल रहे स्वच्छता सेवा कार्य में श्रमदान किया। इस दौरान उन्होंने दादा गुरुजी से भी भेंट की। दादा गुरूजी ने मिट्टी के औषधीय गुणों पर प्रकाश डालते हुए सभी को प्रकृति से जुड़ने का संदेश दिया।

मंत्री श्री पटेल ने जल गंगा संवर्धन अभियान को एक निरंतर चलने वाला जनआंदोलन बताते हुए कहा कि यह प्रयास किसी एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया एवं जनप्रतिनिधियों से अपील की कि संगम स्थलों की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण के कार्य नियमित रूप से जारी रखें। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नदियाँ केवल जलधाराएं नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति की जीवनरेखा हैं, जिनकी पवित्रता बनाए रखना हम सभी का साझा दायित्व है। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्री महेंद्र सिंह शर्मा, एसडीएम श्री दिनेश सिंह तोमर, तहसीलदार श्री ललित सोनी, जनपद सीईओ श्रीमती सुप्रिया दुफरे सहित अन्य अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

संकल्प से समाधान अभियान के समापन कार्यक्रम की तैयारियों का लिया गया जायजा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन एवं भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह की अध्यक्षता में दिनांक 06 अप्रैल 2026 को पीजी कॉलेज परिसर स्थित सभागार में आयोजित होने वाले संकल्प से समाधान अभियान के समापन कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान द्वारा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाओं का सूक्ष्मता से अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था एवं हितग्राहियों की बैठक सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर आयोजित की जाने वाली प्रदर्शनी एवं हेल्थ कैंप के सुव्यवस्थित संचालन पर विशेष ध्यान देने को कहा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने फायर एवं इलेक्ट्रिक सेफ्टी, ट्रैफिक प्रबंधन, पेयजल की समुचित व्यवस्था, अस्थायी अस्पताल की स्थापना तथा साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित विभागों को दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और प्रत्येक व्यवस्था समय-सीमा में पूर्ण की जाए, ताकि कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश कुमार मंडलोई, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती रीतिका पाटीदार एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

रायसेन कृषि मेले की सूचनाएं देने हेतु प्रचार रथ रवाना, 11 से 13 अप्रैल तक होगा राष्ट्रीय आयोजन

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, नवाचारों और उन्नत खेती के तरीकों से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले राष्ट्रीय कृषि मेले सह कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण के प्रचार-प्रसार के लिए आज कलेक्ट्रेट परिसर से प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर विदिशा विधायक मुकेश टंडन ने रथ को रवाना करते हुए जिले के किसानों से अधिक संख्या में मेले में भाग लेने का आह्वान किया।

उन्होंने बताया कि आगामी 11 से 13 अप्रैल तक रायसेन में राष्ट्रीय स्तर का कृषि मेला आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कृषि क्षेत्र से जुड़े नवीनतम उपकरण, उन्नत बीज, आधुनिक तकनीक और विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। यह मेला किसानों के लिए अपनी आय बढ़ाने और खेती को लाभकारी बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा।

विधायक श्री टंडन ने कहा कि प्रचार रथ के माध्यम से गांव-गांव जाकर किसानों को मेले के बारे में जागरूक किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक कृषक इस आयोजन का लाभ उठा सकें। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे मेले में पहुंचकर विशेषज्ञों से सीधे संवाद करें और अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त करें। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया, कृषि विभाग के उप संचालक श्री केएस खपड़िया, सहायक संचालक श्री महेंद्र सिंह ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा मेले में किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई है।

विकास कार्यों में गति लाएं और गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करें

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के मंत्री तथा खण्डवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने गत दिवस जनजातीय कार्य विभाग में किए गए स्थानांतरण एवं नियुक्तियों की जानकारी मिलने पर कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता को बैठक में निर्देश दिए कि अवैध तरीके से की गई नियुक्ति एवं स्थानांतरण के सभी आदेश निरस्त करते हुए मामले की विस्तृत जांच करें तथा दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करें। बैठक में खण्डवा विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे, मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेड़े, खण्डवा की महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव, पुलिस उप महानिरीक्षक श्री मनोज कुमार राय, वन मंडल अधिकारी श्री राकेश डामोर, जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा, सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने बैठक में निर्देश दिए कि विभिन्न योजनाओं के तहत संचालित निर्माण कार्यों में गति लाएं और गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए स्वीकृत कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। बैठक में बताया गया कि ओंकारेश्वर में प्रसादालय के ऊपर प्रथम और द्वितीय तल पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए डॉरमेट्री का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा अति विशिष्ट व्यक्तियों के विश्राम हेतु ओंकारेश्वर में विश्राम गृह भी निर्मित किया जा रहा है। प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ओंकारेश्वर में मावा एवं प्रसाद की गुणवत्ता का समय-समय पर परीक्षण करें और खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच प्रयोगशाला में भेज कर कराएं। उन्होंने गेहूं चना उपार्जन के लिए बारदाने की उपलब्धता के बारे में भी संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली।

प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने कहा कि गेहूं चना उपार्जन के दौरान किसानों को कोई परेशानी ना हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि उपार्जन कार्यों में गड़बड़ी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत सीईओ जिला पंचायत ने किया प्रगतिरत कार्यों का निरीक्षण

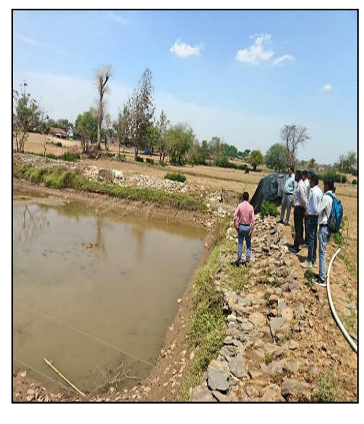

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत आज मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान द्वारा ग्राम पंचायत नरवलिया एवं पिपलिया में संचालित विभिन्न जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान खेत तालाब, डग वेल रिचार्ज पिट, अमृत सरोवर एवं अन्य तालाबों के निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया। कार्यों के अपूर्ण पाए जाने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त की गई तथा संबंधित क्रियान्वयन एजेंसियों को अभियान अवधि के भीतर सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्वक एवं समयसीमा में पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर एक बगिया मां के नाम परियोजना के अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों से संवाद भी किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने निर्देशित किया कि ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए लगाए गए पौधों की शत-प्रतिशत उत्तरजीविता सुनिश्चित की जाए, इसके लिए नियमित सिंचाई एवं देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जाए।

उन्होंने कहा कि जल संरक्षण एवं हरित विकास से जुड़े इन प्रयासों में जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है तथा सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभियान को सफल बनाए।

स्कूल चले हम अभियान भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत अधिकारियों ने किया विद्यालयों का निरीक्षण

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत आज जिले में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष पहल के तहत जिले के विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों ने शासकीय विद्यालयों का भ्रमण कर न केवल व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बल्कि एक शिक्षक की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन भी किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा के महत्व को समझाते हुए बेहतर करियर निर्माण के लिए प्रेरित किया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य निर्धारण के सूत्र बताये। भ्रमण के दौरान अधिकारियों द्वारा विद्यालय की शैक्षणिक और बुनियादी सुविधाओं का गहन अवलोकन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदु शामिल रहे । 1. अध्यापन कार्य - कक्षाओं में जाकर शिक्षा के स्तर और शिक्षकों द्वारा अपनाई जा रही शिक्षण पद्धति की समीक्षा की गई। 2. सामग्री वितरण - शासन की योजनानुसार विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें एवं साइकिल वितरण की स्थिति जाँची गई। 3. भोजन की गुणवत्ता - प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (मिड-डे मील) के तहत परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता को परखा गया।। 4. अधोसंरचना - स्कूल परिसर की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था और शौचालय की उपलब्धता का निरीक्षण किया गया।

राजपुर जनपद मे 8 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा क्लस्टर अनुश्रवण शिविर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती सिंह के निर्देशन में जनपद पंचायत राजपुर अंतर्गत 34 पंचायतों में क्लस्टर अनुश्रवण शिविर (सीएफटी) का आयोजन 08 अप्रैल बुधवार को आयोजित किया जाएगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ ग्रामों में नागरिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं में नियमानुसार पात्र बनाकर लाभान्वित करना है। ताकि उनकी समस्याओं का प्रभावी निराकरण हो सके। इस शिविर के अंतर्गत शासन की विभिन्न योजनाओं के अनुश्रवण हेतु अधिकारियों/कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिनके द्वारा ग्राम पंचायतों में जाकर पंचायतो में नागरिकों को आ रही समस्याओं/शिकायतों को दर्ज करेंगे जिनका निराकरण इसके पश्चात वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में किया जाएगा। इन 34 पंचायते में आयोजित होगा शिविर बकवाडी, छोटी खरगोन, चितावल, जाहुर, खजुरी, कुसमरी, पिपरी बुजुर्ग, रेलवा बुजुर्ग, सांगवीठान, ठान, वासवी, अगलगांव, भोरवाडा, बोबलवाडी, देवला, घुसगांव, जुलवानिया, कादवी, मोयदा, रणगांवरोड, रूई, सालखेडा, सांगवीनीम, बघाड, बालसमुद, देवनली, लफनगांव, नागलवाडी बुजुर्ग, नागलवाडी खुर्द, नांदेड, ओझर, सालीकला, टाकली, टेमला शिविर आयोजित किया जायेगा ।

भाजपा कार्यालय भूमि पूजन में 'शहर की प्रथम नागरिक' का नाम गायब

आमंत्रण पत्र बना सियासी बवाल, पवन पाटीदार भी नदारद

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस 6 अप्रैल को नीमच में बनने जा रहे नवीन जिला कार्यालय के भूमि पूजन से पहले ही सियासत गरमा गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में होने वाले इस कार्यक्रम (सीएम वर्चुअली जुड़ेंगे) का आमंत्रण पत्र अब विवादों के केंद्र में आ गया है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस नगर पालिका परिषद ने इस कार्यालय के लिए जमीन आवंटित की, उसी नपा अध्यक्ष और शहर की प्रथम नागरिक स्वाति चोपड़ा का नाम आमंत्रण पत्र से पूरी तरह गायब है। जबकि प्रोटोकॉल के मुताबिक ऐसे आयोजनों में प्रथम नागरिक का नाम प्रमुखता से होना चाहिए।

विवाद यहीं नहीं थमता। भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व जिलाध्यक्ष पवन पाटीदार का नाम भी आमंत्रण सूची से नदारद है। गौरतलब है कि उनके ही कार्यकाल में पार्टी को इस कार्यालय के लिए जमीन मिली और कार्यालय की नींव रखी गई थी। ऐसे में उनका नाम न होना कई सवाल खड़े कर रहा है।

हालांकि आमंत्रण पत्र में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया, सांसद-विधायक सहित कई नेताओं के नाम शामिल हैं, यहां तक कि जिला पंचायत अध्यक्ष को भी स्थान दिया गया हैज लेकिन नगर पालिका अध्यक्ष को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया।

स्वाति चोपड़ा वर्तमान में प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट भी हैं और उनके नपाध्यक्ष रहते ही यह पूरा प्रकरण आगे बढ़ा। ऐसे में उनकी उपेक्षा को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हैं-

क्या यह महज एक चूक है- या फिर इसके पीछे कोई सियासी संदेश छिपा है?

इधर विधायक दिलीप सिंह परिहार द्वारा अपने फेसबुक पेज पर इसी आमंत्रण पत्र को साझा किया जाना भी चर्चा का विषय बना हुआ है। इससे साफ है कि आयोजन की जानकारी उन्हें थी। ऐसे में अब यह सवाल और गहरा गया है कि यह चूक है या जानबूझकर किया गया निर्णय।

जिलाध्यक्ष वंदना खंडेलवाल का वर्जन- इसमें मेरी तरफ से कुछ भी नहीं किया गया है। जैसा हाईकमान से निर्देश प्राप्त हुआ, उसी अनुसार आमंत्रण पत्र तैयार किया गया है।

घटना के बाद शहर के राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है। कार्यकर्ताओं और आमजन के बीच यह मुद्दा चर्चा का विषय बना हुआ है, वहीं समर्थकों में नाराजगी भी देखी जा रही है।

अब देखना यह होगा कि कार्यक्रम से पहले इस 'चूक' को सुधारा जाता है या फिर यह मामला और तूल पकड़ता है।

राज्यपाल श्री पटेल ने जिला प्रशासन के नवाचार की सराहना की

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने शनिवार को खंडवा जिले के ग्राम बड़ौदा अहीर स्थित जननायक टंट्या भील के स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद स्कूली विद्यार्थियों से संवाद किया और उनसे सामान्य ज्ञान के विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विद्यार्थियों ने कुशलतापूर्वक जवाब दिया। उन्होंने इस अवसर पर विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और स्कूल में काम आने वाली लेखन सामग्री भी भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल ने विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन भी किया।

विद्यार्थियों से चर्चा के दौरान राज्यपाल श्री पटेल का ध्यान दीवाल पर लगे एक बड़े फोटो पर गया, जिसमें विद्यार्थी डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, पुलिस, शिक्षक की वेशभूषा में थे। राज्यपाल श्री पटेल ने जब इस फोटो के संबंध में पूछताछ की, तो अधिकारियों ने उन्हें बताया कि गत दिनों कन्या आश्रम राजगढ़ में रहने वाले बच्चों से पूछा गया था, कि कौन क्या बनना चाहता है तो किसी बच्चे ने कहा कि वह डॉक्टर बनना चाहता है, तो किसी ने इंजीनियर बनने की इच्छा जाहिर की थी। बच्चे जो बनना चाहते थे, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उसी पद से सम्बंधित वेशभूषा में उनका फोटो तैयार कराकर छात्रावास के प्रमुख स्थान पर लगाया गया, ताकि बच्चे प्रतिदिन आते जाते समय उस सामूहिक फोटो को देखकर प्रेरित हो सकें और उसी के अनुरूप अच्छी पढ़ाई कर अपनी मंजिल पा सकें।

राज्यपाल श्री पटेल ने जिला प्रशासन के इस नवाचार की सराहना की और अन्य छात्रावास-आश्रमों में भी इस तरह का प्रयोग करने के लिए कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता से कहा।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकथाम के लिए निर्देश जारी, हेल्पलाइन नंबर और वन स्टॉप सेंटर सक्रिय

नागरिक चाइल्ड एवं महिला हेल्पलाइन पर दे सकते हैं बाल विवाह की सूचना

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आगामी 20 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह की संभावित घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेशभर में व्यापक अभियान संचालित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस अवसर पर बाल विवाह की आशंका को देखते हुए जिला, विकासखंड और ग्राम स्तर तक सतर्कता बढ़ाई जाए तथा प्रभावी निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

निर्देशों के अनुसार सभी जिलों में कंट्रोल रूम स्थापित कर निगरानी रखी जाएगी। ग्राम स्तर पर बाल संरक्षण समितियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं पंचायत प्रतिनिधियों को सक्रिय कर संदिग्ध विवाहों की सूचना तत्काल प्रशासन तक पहुंचाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही पुलिस, प्रशासन, शिक्षा और महिला बाल विकास विभाग के बीच समन्वय बनाकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बाल विवाह की रोकथाम के साथ-साथ आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया है। विभाग द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे बाल विवाह जैसी घटनाओं की जानकारी तुरंत संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर दें। इसके लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 तथा पुलिस आपातकालीन सेवा 112 को सक्रिय रखा गया है, ताकि किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा, जिले में संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी केंद्र) को भी पूरी तरह सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जहां महिलाओं और बालिकाओं को आपात स्थिति में सहायता, परामर्श, आश्रय और कानूनी सहयोग उपलब्ध कराया जाता है। इन केंद्रों के माध्यम से पीड़ितों को त्वरित सहायता प्रदान कर उन्हें सुरक्षा और न्याय दिलाने की व्यवस्था की गई है।

विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे बाल विवाह निषेध अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

बदहाल देवास गेट बस स्टैंड... जर्जर हुआ भवन, साफ सफाई और सुविधाएं गायब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के बीचों-बीच स्थित शहीद राजा भाऊ महाकाल बस स्टैंड (देवासगेट) दिनों दिन बदहाल होता जा रहा है। यहां बने महिला यात्री प्रतिक्षालय में पुरुष सोए रहते हैं और मजबूरी में महिलाओं को बाहर बैठना पड़ रहा है। वहां भी श्वानों के झुंड आसपास लगे रहते हैं। परिसर तथा यहां बने सुविधाघरों में भी साफ-सफाई नहीं रहती और गंदगी आसपास बहती नजर आ रही है।

उल्लखनीय है कि देवास गेट बस स्टैंड पिछले करीब 20 वर्षों से उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। इसके कायाकल्प के लिए पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल से लेकर सिंहस्थ और स्मार्ट सिटी जैसी बड़ी योजनाएं बनाई गईं, लेकिन ये सभी योजनाएं कागजों तक ही सीमित रह गईं। हालात यह हैं कि आज यहां यात्रियों को पीने का पानी और साफ सुथरे सुविधाघर तक उपलब्ध नहीं है, जिससे व्यवस्थाओं की पोल खुल रही है। देवासगेट बस स्टैंड की बदहाली का दौर तब से शुरू हुआ, जब रोडवेज बसों का संचालन बंद हुआ। इसके बाद से लगातार विकास के दावे तो किए गए, लेकिन धरातल पर कोई ठोस काम नजर नहीं आया। नगर निगम को हैंडओवर होने के बाद स्थिति और बिगड़ती चली गई। सिंहस्थ 2004 के पहले इस क्षेत्र को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने की योजना को मंजूरी मिली थी, लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते यह फाइलों में ही दब गई। इसके बाद सिंहस्थ 2016 के दौरान भी बस स्टैंड को आधुनिक रूप देने के दावे किए गए, परंतु ये भी खोखले साबित हुए। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में शामिल होने के बाद एक बार फिर उम्मीद जगी थी कि देवासगेट बस स्टैंड को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। कोरोना काल से पहले तक इस दिशा में कागजी कवायद चलती रही, लेकिन बाद में यह योजना भी ठंडे बस्ते में चली गई। धार्मिक नगरी उज्जैन में हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं, लेकिन शहर के प्रमुख बस स्टैंड की यह स्थिति प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करती है। जबकि यहां नगर निगम की पर्याप्त जमीन उपलब्ध है, जिससे व्यावसायिक और यात्री सुविधाओं का बेहतर विकास किया जा सकता है। वर्तमान में बस स्टैंड का भवन जर्जर हो गया है। महिलाओं के बैठने और विश्राम करने के स्थान का अभाव है। मजबूरी में यात्री परिसर में नीचे बैठते हैं और वहां भी श्वान और मवेशी आसपास घूमते रहते हैं।

जनभागीदारी भी नहीं ला सकी बदलाव- देवासगेट बस स्टैंड को जनभागीदारी मॉडल पर विकसित करने की योजना भी बनाई गई थी। इसमें नया भवन, व्यवस्थित बस संचालन और यात्रियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का खाका तैयार किया गया था। यहां तक कि निगम की दुकानों को हटाकर आधुनिक मार्केट बनाने की योजना को मंजूरी भी मिल गई थी, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी और प्रशासनिक उदासीनता के कारण यह योजना भी आगे नहीं बढ़ सकी।

संभावनाओं के बावजूद ठहरा विकास- देवासगेट बस स्टैंड के आसपास पर्याप्त जमीन और व्यावसायिक संभावनाएं मौजूद हैं। यदि सही योजना और इच्छाशक्ति के साथ काम किया जाए तो यह क्षेत्र रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकता है और शहर को नई पहचान दिला सकता है। बावजूद इसके, वर्षों से यह स्थान बदहाली का शिकार बना हुआ है।

योजनाएं बनीं, लेकिन अमल नहीं हुआ

- सिंहस्थ 2004 से पहले पीपीपी मॉडल पर विकास की मंजूरी
- सिंहस्थ 2016 के लिए पुनः प्लानिंग और प्रस्ताव तैयार
- निगम दुकानों को हटाकर नया मार्केट बनाने की योजना
- स्मार्ट सिटी में शामिल कर अत्याधुनिक बस स्टैंड का प्रस्ताव
- कोरोना काल के बाद सभी योजनाएं ठंडे बस्ते में

यात्रियों की परेशानी बढ़ी

- पीने के पानी की सुविधा नहीं
- बैठने और प्रतीक्षा की समुचित व्यवस्था का अभाव
- साफ-सफाई और रखरखाव में लापरवाही
- बस संचालन अव्यवस्थित
- महिला यात्रियों के लिए सुविधाएं नहीं

उज्जैन की हवा बिगड़ी, रात 12 बजे एक्यूआई पहुंचा 180, सांस लेना हुआ मुश्किल

24 घंटे में वायु गुणवत्ता 200 के करीब, डॉक्टरों ने बताया स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी उज्जैन की हवा एक बार फिर खराब हो गई है। बीती रात करीब 12 बजे शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स 180 तक पहुंच गया, जो खतरनाक श्रेणी में माना जाता है। पिछले 24 घंटे में भी वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 के करीब बना रहा, जिससे शहरवासियों के स्वास्थ्य पर खतरा बढ़ गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार एक्यूआई का यह स्तर सीधे तौर पर लोगों के फेफड़ों और दिल पर असर डाल सकता है। लंबे समय तक ऐसी हवा में रहने से सांस लेने में दिक्कत, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एचपी सोनानिया ने बताया कि 180 के आसपास एक्यूआई का मतलब है कि हवा में पीएम 2.5 कणों की मात्रा काफी अधिक है, जो शरीर के अंदर जाकर गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। उन्होंने खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

निर्माण कार्य और धूल बना बड़ा कारण- शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण के पीछे कई कारण सामने आ रहे हैं। एक ओर जहां वाहनों से निकलने वाला धुआं और औद्योगिक प्रदूषण जिम्मेदार है, वहीं इन दिनों शहरभर में चल रहे सीवरेज कार्य और सड़कों की खुदाई से उड़ रही धूल ने स्थिति और खराब कर दी है।दिनभर सड़कों पर उड़ती धूल और रात में कचरा जलाने की घटनाएं हवा को और जहरीला बना रही हैं। ट्रेंचिंग ग्राउंड में बार-बार लगने वाली आग भी प्रदूषण बढ़ाने का बड़ा कारण बन रही है।

पराली और पुराने वाहन भी जिम्मेदार- शहर के आसपास के क्षेत्रों में कृषि कार्य के दौरान पराली जलाने की घटनाएं भी लगातार बढ़ रही हैं, जिससे हवा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। इसके अलावा शहर में बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या, खासकर पुराने और ज्यादा धुआं छोड़ने वाले वाहन भी प्रदूषण में इजाफा कर रहे हैं। उद्योगों से निकलने वाला धुआं और रासायनिक उत्सर्जन भी स्थिति को और गंभीर बना रहे हैं।

स्वास्थ्य पर पड़ रहा सीधा असर- डॉक्टरों का कहना है कि इस स्तर की हवा में लगातार रहने से आंखों में जलन, गले में खराश, खांसी और सांस लेने में परेशानी जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ सकती हैं।

ऐसे रखें खुद को सुरक्षित

-सुबह-शाम अनावश्यक बाहर निकलने से बचें

-मास्क का उपयोग करें

-घर के अंदर एयर प्यूरीफिकेशन का ध्यान रखें

-बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ख्याल रखें

-ज्यादा समस्या होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें

अपनी सफलताओं से खुश होने से ज्यादा जरुरी है कि हम अपनी असफलताओं से विचलित न हों - कलेक्टर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने शनिवार को शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ढांचा भवन में भविष्य से भेंट कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों से संवाद किया और उन्हें भविष्य का मार्गदर्शन प्रदान किया। कलेक्टर श्री सिंह ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का भी इस दौरान समाधान किया और उन्हें भविष्य में परीक्षाओं की तैयारी और अपने करियर के बारे में योजना बनाने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया। कलेक्टर श्री सिंह ने विद्यालय पहुंचकर मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संवाद कार्यक्रम में कक्षा 6 ठी से लेकर 12 वीं तक के विद्यार्थी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि वें देश के भविष्य है और विद्यार्थियों से बातचीत कर हमें भी देश के लिए काम करने की नई ऊर्जा मिलती है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि वर्तमान में बहुत से बच्चों ने अपने भविष्य के बारे में कुछ न कुछ योजना बनाई होगी। अपनी सफलताओं से खुश होने से ज्यादा जरुरी है कि हम अपनी असफलताओं से विचलित न हों। विद्यार्थी जीवन में हमें कई मौकों पर धैर्य परिश्रम लगन और हार न मानने का रवैया रखना होता है।

राजपूत समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन आज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा और राजपूत सोशल ग्रुप के माध्यम से राजपूत समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन आज सुबह शर्मा परिसर उज्जैन मे संपन्न होगा। सम्मेलन मे प्रमुख अथिति सुश्री उषा ठाकुर विधायक महू, भवर सिंह शेखावत विधायक बदनावर, दिलीप सिंह परिहार विधायक नीमच, तेजबहादुर सिंह चौहान विधायक नागदा खाचरोद, देवेंद्र सिंह भदौरिया, प्रमुख समाजसेवी, सुरेश सिंह भदौरिया संचालक इंडस हॉस्पिटल, शुलभ शांतु गुरूजी राम कथा व्यास, जोगेंद्र सिंह भदौरिया प्रमुख समाजसेवी इंदौर, ब्रिजपाल सिंह तोमर प्रदेश अध्यक्ष क्षत्रिय महासभा और अध्यक्षता रमन सिंह सिकरवार सेवानिवृत पुलिस महानिरीक्षक करेंगे, जानकारी कार्यक्रम सयोजक किशोर सिंह भदौरिया और नरेश सिंह भदौरिया ने देते हुये बताया कि प्रमुख कार्यक्रम विवाह योग्य लड़के, लड़कियों का मंच से परिचय और अभिभावकों का शादी के लिये चर्चा होगा, साथ ही देश सेवा मे अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने वाले सेना के 31 सेवानिवृत सेनिको का सम्मान किया जायेगा, इस अवसर पर समाज मे निरन्तर अपना सहयोग, देने वाले दम्पतियो 25 जोड़ो का, साड़ी, मूमेंटो, अंग वस्त्र और पुष्पमाला से स्वागत किया जायेगा, कार्यक्रम मे निकलने वाली वैवाहिक पत्रिका % वैवाहिका % मे विवाह योग्य लड़के, लड़कियों की 700 से अधिक प्रविष्टि प्राप्त हो चुकी है कार्यक्रम पूर्णता निशुल्क है, कुंडली मिलान और भोजन व्यवस्था की गई है। आयोजन समिति आप सभी स्वजनों को सादर निमंत्रित करती है समाज के महत्वपूर्ण कार्यक्रम मे सपरिवार पधारे। निवेदक वींनू कुशवाह जिलाध्यक्ष, छोटे सिंह भदौरिया संभागीय अध्यक्ष, शिवेंद्र सिंह भदौरिया शहर अध्यक्ष, अतेन्द्र सिंह तोमर, सूंदर सिंह भदौरिया, संजीव सिंह,विजेंद्र सिंह कुशवाह, राजेश सिंह भदौरिया, रघुवीर सिंह बैस, राकेश सिंह भदौरिया, कुलदीप सिंह क्षत्रिय, मनोज सिंह भदौरिया आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

पंचकोसी यात्रा 12 अप्रैल से... बनेगा नया ट्रैफिक प्लान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 12 अप्रैल से पंचकोसी यात्रा शुरू हो रही है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल परिक्रमा करेंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने नया डायवर्जन रूट प्लान तैयार करना पड़ेगा।

बता दें कि उज्जैन में 118 किमी की पंचकोसी यात्रा होती है। इस दौरान प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए जाते हैं। 12 अप्रैल से पंचकोशी यात्रा शुरु होगी और इसके दो दिन पहले से ही श्रद्धालु यात्रा मार्ग में यात्रा में निकल सकते हैं। ऐसे में पंचकोशी यात्रा मार्ग में निम्नानुसार डायवर्सन रहेगा जो भारी वाहन एवं अन्य वाहन आगर नाका से मण्डीगेट, पाण्ड्याखेड़ी होकर देवास और इन्दौर की ओर जाने वाले बाहरी वाहनों का रूट बदलना पड़ेगा। यातायात विभाग इसकी तैयारी कर रहा है।

एक नजर यात्रा के मार्ग पर- पंचकोशी यात्रा के पहले दिन श्रद्धालु नागचंद्रेश्वर मंदिर पटनी बाजार से बल प्राप्त कर यात्रा प्रारंभ कर लखेरवाड़ी से होते हुए छत्रीचौक, सराफा, कंठाल चौराहा, निजातपुरा, कोयला फाटक चौराहा, उद्योगपुरी, ढांचा भवन, होटल नक्षत्र के सामने, उंडासा, पिंग्लेश्वर, श्री सिंथेटिक चौराहा, धतरावदा, लालपुर, सेफी नाका चौराहा, शक्करवासा, शनि मंदिर, महावीर तपोभूमि चौराहा, राघौपिपलिया, करोहन, गोंदिया, तालोद, बंबोरा, नलवा चौपाटी, अंबोदिया, नईखेड़ी, आजमपुरा, सोढंग नाका चौराहा, के.डी.पैलेस, जैथल, आगर रोड पुराना टोलटेक्स, उंडासा होते हुए पुनः होटल नक्षत्र के सामने से ढांचा भवन, उद्योगपुरी, कोयला फाटक चौराहा, निजातपुरा, कंठाल चौराहा, सराफा, छत्री चौक, नागचंद्रेश्वर मंदिर पर बल वापस कर रामघाट पर स्नान पश्चात यात्रा समाप्त करेंगे।

गर्मी का असरः शहर में बढ़े आंखों के संक्रमण के मरीज

चरक अस्पताल में रोजाना 5 से 7 मरीज पहुंच रहे, बच्चों में अधिक खतरा– डॉक्टरों ने दी सावधानी बरतने की सलाह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में पड़ रही तेज गर्मी का असर अब लोगों की आंखों पर साफ दिखाई देने लगा है। चरक अस्पताल की ओपीडी में इन दिनों आंखों के संक्रमण से पीड़ित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। रोजाना 5 से 7 मरीज आंखों में जलन, दर्द और संक्रमण की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं, जिनमें बच्चों की संख्या अधिक बताई जा रही है।

डॉक्टरों के अनुसार, बढ़ते तापमान और गर्म हवाओं (लू) के कारण आंखों में इंफेक्शन के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। यही कारण है कि सरकारी अस्पताल के साथ-साथ निजी क्लीनिकों में भी ऐसे मरीजों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मी के मौसम में धूल, पसीना और प्रदूषण के कारण आंखों में बैक्टीरियल संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। बच्चों की इम्यूनिटी अपेक्षाकृत कमजोर होने के कारण वे जल्दी इसकी चपेट में आ जाते हैं। समय पर इलाज नहीं लेने पर समस्या गंभीर रूप ले सकती है।

नेत्र रोग विशेषज्ञों ने बताया कि आंखों में लालिमा, खुजली, पानी आना और चिपचिपापन इसके प्रमुख लक्षण हैं। कई मामलों में मरीजों को तेज दर्द और रोशनी से चुभन की शिकायत भी हो रही है। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेना जरूरी है।

बचाव के उपाय- डॉक्टरों ने लोगों को सलाह दी है कि तेज धूप में बाहर निकलने से बचें, आंखों पर धूप का चश्मा लगाएं और बार-बार आंखों को हाथ न लगाएं। इसके अलावा साफ पानी से आंखों को धोते रहें और व्यक्तिगत स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि थोड़ी सी सावधानी और समय पर उपचार से इस मौसमी समस्या से आसानी से बचा जा सकता है।

रिमांड पर 4.60 लाख के आभूषण चोरी करने वाला बदमाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आभूषण दुकान से 2 किलो चांदी के जेवरात चुराकर भागे बदमाश को पुलिस ने 60 घंटे में गिरफ्तार कर लिया। बदमाश ने आभूषण इंदौर में ठिकाने लगा दिए थे जिसे पुलिस ने बरामद करने के बाद बदमाश को पूछताछ के लिए तीन दिनों की रिमांड पर लिया है।

नागदा थाना प्रभारी अमृतलाल गवरी ने बताया कि 29 मार्च को गुर्जर मोहल्ले में आभूषण की दुकान संचालित करने वाले प्रकाशचन्द्र पिता रामनिवास सोनी, निवासी नागदा ने शिकायत दर्ज कराई की उसकी दुकान से शाम 7ः30 बजे के लगभग अज्ञात बदमाश 2 किलो चांदी के जेवरात (कीमत 4.60 लाख) लेकर भाग गया है। मामले में प्रकरण दर्ज कर सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखे गए जिसके आधार पर जानकारी सामने आएगी आभूषण लेकर भाग बदमाश सुरेश पिता कैलाश राठौड़, निवासी ग्राम दातोद, थाना सिमरोल जिला इंदौर का रहने वाला है पूर्व में वह महू में भी ऐसी ही वारदात को अंजाम दे चुका है। बदमाश की पहचान होते ही पुलिस ने साइबर टीम की मदद से लोकेशन ट्रेस की गई और सिमरोल के ग्राम दातोद में पहुंचकर दबिश दी गई। जहां से सुरेश को गिरफ्तार किया गया और पूछताछ कर चोरी किए गए 4.60 लाख के आभूषण बरामद कर लिए। बताया जा रहा है कि नागदा से आभूषण चुराकर भागे बदमाश ने इंदौर सराफा क्षेत्र में एक व्यापारी को बेच दिये थे। पूछताछ में उसने व्यापारी मनीष पिता गट्टूलाल, निवासी कमाठीपुरा इंदौर की दुकान की जानकारी दी। जहां पहुंच कर पुलिस ने चोरी के आभूषण बरामद किये। व्यापारी का कहना था कि उसे आभूषण चोरी के होने का पता नहीं था सुरेश ने रुपयों की जरूर होना बात कर आभूषण दिए थे। थाना प्रभारी ने बताया कि न्यायालय में पेशकश 3 दिन की रिमांड पर लिया गया है। संभावना है कि अन्य वारदातों का सुराग मिल सकता है।

उज्जैन का दोना-पत्तल देशभर में छाया, रोजाना ट्रेनों से चेन्नई तक पहुंच रहा माल

शादी सीजन में बढ़ी मांग, हर दिन 80–100 बोरी पार्सल, स्थानीय कारोबार को मिल रहा नया विस्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी उज्जैन अब सिर्फ आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि पारंपरिक उत्पादों के बड़े सप्लायर के रूप में भी अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। यहां तैयार होने वाला दोना-पत्तल बड़े पैमाने पर देश के अलग-अलग हिस्सों, खासकर दक्षिण भारत के शहर चेन्नई तक भेजा जा रहा है।

रेलवे पार्सल कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, उज्जैन से प्रतिदिन करीब 80 से 100 बोरी दोना-पत्तल ट्रेन के माध्यम से पार्सल किए जा रहे हैं। शहर में 50 से अधिक व्यापारी इस व्यवसाय से जुड़े हैं, जिनमें से करीब 15 प्रमुख कारोबारी लगातार बाहरी राज्यों में सप्लाई कर रहे हैं।शादी-विवाह के सीजन के चलते इन दिनों दोना-पत्तल की मांग में तेजी आई है। पर्यावरण के अनुकूल होने के कारण भी इनका उपयोग बढ़ रहा है, जिससे व्यापारियों को अच्छा बाजार मिल रहा है। उज्जैन के उत्पादों की खासियत यह है कि ये गुणवत्ता और मजबूती के कारण अन्य शहरों में भी पसंद किए जा रहे हैं।सिर्फ दोना-पत्तल ही नहीं, बल्कि उज्जैन से नमकीन, बेकरी उत्पाद और अन्य सामान भी बड़ी मात्रा में बाहर भेजा जा रहा है। व्यापारियों के अनुसार रोजाना 2 से 3 टन तक विभिन्न प्रकार का माल अन्य राज्यों में सप्लाई हो रहा है, जिसमें राजस्थान, गुजरात और हरियाणा प्रमुख बाजार हैं।व्यापारियों का कहना है कि बाहर रह रहे उज्जैन के लोगों की पसंद भी इस मांग को बढ़ा रही है। वे अपने परिवारों के माध्यम से यहां के पारंपरिक उत्पाद मंगवा रहे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं और छोटे कारोबारियों को नया बाजार मिल रहा है।

गैरेज संचालक रिमांड पर, ड्रग्स बनाने का मिला था केमिकल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मादक पदार्थ पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। चिमनगंज क्षेत्र के एक गैरेज में सिंथेटिक ड्रग्स बनाने का काम किया जा रहा था। दबिश देकर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए 75 किलो ब्रोनोपोल पावडर बरामद किया है वहीं 8.50 लाख रुपए नगद, खरीद-में फरोख्त के दस्तावेज और एक कार भी जप्त की है।

चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि । मुखबिर से सूचना मिली थी कि आगर रोड स्थित कृष्णा मोटर्स गैरेज में अवैध केमिकल ब्रोनोपोल और 2-ब्रोनो 4 मिथाइल प्रोपियोफेनोन छिपाकर रखा गया है जिससे सिंथेटिक ड्रग्स एमडीए बनाने की योजना है। तत्काल पुलिस टीम ने गैरेज पर दबिश मारी और वहां से अर्पित उर्फ सौरभ गुप्ता निवासी तिरुपति एक्सटेंशन उज्जैन, रंजीत पिता करणसिंह निवासी गरोठ मंदसौर और ओमप्रकाश पिता घनश्याम शर्मा निवासी बड़ौद आगर मालवा को हिरासत में लिया। उनकी निशानदेही पर गैरेज से ही 75 किलो केमिकल पावडर, नगदी और दस्तावेज के साथ एक बलेनो कार भी जप्त की गई। टीआई गजेन्द्र पचोरिया ने बताया कि उक्त कार्यवाही के सायबर और क्राइम टीम भी शामिल थी। आरोपियों द्वारा गुजरात से प्रतिबंधित केमिकल मंगवाया गया था। मामले में प्रकरण दर्ज कर तीनों से पूछताछ की जा रही है वहीं गिरोह से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाया जा रहा है। फिलहाल गेराज संचालक अर्पित गुप्ता को न्यायालय में पेश कर 5 दिनों की पुलिस रिमांड पर लिया गया है, उसके दो साथियों से मामले में फरार चौथे आरोपी के संबंध में जानकारी जुटा जा रही है जल्दी उसे भी गिरफ्तार किया जाएगा।

सिंहस्थ के लिए प्रचलित मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों में गति बढ़ाएं- संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह एवं जिला कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने शनिवार को सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग और नगर निगम के माध्यम से प्रचलित मार्ग निर्माण और मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि प्रचलित मार्ग निर्माण और मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों में गति बढाई जाए। साथ ही निर्माण एजेंसी गुणवत्ता के साथ कार्यों को पूर्ण करें। संभागायुक्त श्री सिंह और कलेक्टर श्री सिंह ने नियमित निरीक्षण के दौरान शनिवार को श्री चिंतामन गणेश मंदिर के समीप चिंतामन रेलवे स्टेशन कनेक्टिविटी के लिए 12 मीटर मार्ग निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान संभागायुक्त श्री सिंह व कलेक्टर श्री सिंह ने मार्ग निर्माण की प्रगति की जानकारी लेकर निर्देश दिए कि सिंहस्थ महापर्व के दौरान चिंतामन रेलवे स्टेशन को कनेक्ट करने वाला मार्ग महत्वपूर्ण है। इस मार्ग पर गुणवत्ता के साथ शीघ्र कार्य पूर्ण किया जाए। संभागायुक्त श्री सिंह ने नगर निगम के माध्यम से सिंहस्थ के प्रचलित मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान संभागायुक्त ने गाड़ी अड्डा से वीडी क्लाथ मार्केट, तेलीवाड़ा से ढाबा रोड़ तक 1.6 किलोमीटर लंबाई और 15 मीटर मार्ग चौड़ीकरण कार्य, कोयला फाटक से नरेंद्र टाकीज तिराहा, कंठाल चौराहा तक 1.23 किलोमीटर लंबाई और 15 मीटर मार्ग चौड़ीकरण कार्य का पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया। संभागायुक्त श्री सिंह ने प्रमुख सभी मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों की प्रगति की जानकारी लेने के साथ ही निर्देश दिए कि मार्ग में आवागमन की समस्या नही हो, इसके लिए आवश्यक संसाधन बढ़ाकर गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

ट्रैक्टर ट्राली को टक्कर मारने वाली मिनी बस में ग्रामीणों ने लगाई आग

तुलाहेड़ा टोल के पास हुई दुर्घटना में एक की मौत, तीन घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगररोड पर शुक्रवार शनिवार रात तुलाहेड़ा टोल से पहले गेहूं से भरी ट्रैक्टर ट्राली और ट्रैवलर में भिड़ंत हो गई। ट्रैक्टर ट्राली के नीचे चालक दब गया। दुर्घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रैवलर में आग लगा दी और टोल पर चक्काजाम कर दिया। दुर्घटना में ट्रैक्टर चालक की मौत हुई है उसका साथी और ट्रैवलर चालक के साथ एक महिला और पुरुष को भी चोट लगी है।

घटिया थाना क्षेत्र के ग्राम तुलाहेड़ा में गेहूं से भरी ट्रैक्टर ट्राली को पीछे से आ रही ट्रैवलर ने टक्कर मार दी थी। दुर्घटना में ट्रैक्टर ट्राली सड़क मार्ग से उतरकर पलटी खा गई। चालक नीचे दब गया और पीछे ट्राली में बैठा युवक घायल हो गया। ट्रेवलर चालक और उसमें सवार एक पुरुष और महिला सहित दो बच्चों को चोट आई। दुर्घटना की जानकारी लगते ही ग्रामीण एकत्रित हो गए ट्रैक्टर चालक को नीचे दबा देख उनका गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने ट्रैवलर में आग लगा दी। मामले की जानकारी लगते ही, घटिया, राघवी और पानबिहार पुलिस मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड ने पहुंच कर जल रही ट्रैवलर की आग बुझाई वहीं पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी जुटाना पर सामने आया कि ट्रैवलर दिल्ली से उज्जैन आ रही थी जिसमें 22 लोग सवार थे वह महाकाल दर्शन के लिए निकले थे। ट्रैक्टर ट्राली ब्राह्मण खेड़ा की थी जो उज्जैन अनाज मंडी आ रही थी। ट्रैक्टर विजय सोलंकी चला रहा था, जिसकी दुर्घटना में ट्रैक्टर के नीचे दबने से मौत हुई है। उसका साथी राजेश शर्मा घायल हुआ है। ट्रैवलर चालक शिवकुमार पंजाब का रहने वाला है जिसे दुर्घटना में चोट लगी है। वही सवार यात्रियों में धर्मेंद्र और बॉबी नामक महिला को भी चोंट लगी है, दो बच्चे भी मामूली रूप से घायल हुए हैं। मृतक और सभी घायलों को उज्जैन चरक अस्पताल लाया गया, ट्रैवलर चालक का उपचार चरक अस्पताल में ही चल रहा है वही दो अन्य घायल यात्रियों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना में घायलों की जानकारी लेने घटिया थाना पुलिस अस्पताल पहुंची थी।

आगजनी के बाद टोल पर चक्काजाम- ट्रैक्टर ट्राली और ट्रैवलर में हुई दुर्घटना के बाद ग्रामीणों ने ट्रैवलर में आग लगा दी थी वहीं कुछ देर बाद उन्होंने तुलाहेड़ा टोल पर चक्का जाम कर दिया। ग्रामीणों का कहना था कि टोल की क्रेन काफी देर से मौके पर पहुंची जिसके चलते चालक की दबे रहने से मौत हुई है। क्रेन के आने पर उसमें पट्टा नहीं था, ट्रैक्टर उठाने के लिए पट्टा मंगाया तो वह भी टूट गया। जहां चालक की मौत हुई है वहीं ट्रैक्टर ट्राली में भरा गेहूं भी बिखरने से खराब हो गया। ग्रामीणों की मांग थी कि टोल के लापरवाही कर्मचारियों पर भी कार्रवाई की जाए। पुलिस ने मामले में जांच का आश्वासन देकर चक्काजाम समाप्त कराया। इस बीच काफी देर तक टोल नाके पर आवागमन बाधित बना रहा।